बालाघाट, सिवनी, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 15 जून 2026 | दिन - सोमवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 138 | मूल्य - 5 रुपये

पीएम मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच वार्ता में भारत, फ्रांस ने व्यापार को दोगुना कर 32 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा

नीस (फ्रांस), (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच रविवार को बातचीत के बाद दोनों देशों ने अगले पांच वर्ष में अपने सालाना द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 16 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुना करने का लक्ष्य तय किया। साथ ही, अहम क्षेत्रों में संबंध बढ़ाने के लिए एक नवाचार रूपरेखा और संयुक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ढांचा पेश किया।

दोनों नेताओं के बीच हुई व्यापक वार्ता में 13 मुद्दों पर सहमति बनी, जिसमें दोनों पक्षों ने तीव्र गति रेलवे क्षेत्र में सहयोग के लिए एक घोषणा-पत्र और गोपनीय डेटा की सुरक्षा के लिए एक सुरक्षा समझौते को भी अंतिम रूप दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत की 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) प्रणाली का विस्तार पेरिस हवाई अड्डे और नीस तक करने पर भी सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार रात को अपने सप्ताहभर के फ्रांस और स्लोवाकिया के दौरे के तहत इस फ्रांसीसी शहर पहुंचे। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा, ''भारत-फ्रांस साझेदारी नयी ऊंचाइयां छूती रहेगी।''

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि मोदी-मैक्रों की चर्चा में द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे को शामिल किया गया, जिसमें रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु ऊर्जा, व्यापार और निवेश, तकनीक, नवाचार, शिक्षा, दोनों देशों के लोगों के बीच आवाजाही तथा लोगों के बीच परस्पर संबंध शामिल हैं। नवाचार रूपरेखा, अगले पांच वर्षों में वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य और एक संयुक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ढांचा शामिल हैं। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत मुख्य रूप से तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित थी, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने वैज्ञानिक प्रगति के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में फ्रांस की प्रमुख रक्षा कंपनी दसॉ एविएशन से 114 राफेल लड़ाकू जेट विमान खरीदने की भारत की योजना पर चर्चा हुई। मिसरी ने कहा कि मुख्य फोकस संयुक्त रक्षा परियोजनाओं में ''अधिक से अधिक स्थानीय सामग्री'' शामिल करने पर रहा। विदेश सचिव ने कहा कि राफेल लड़ाकू विमान कार्यक्रम को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'मेक-इन-इंडिया' अवधारणा को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के बीच रक्षा परियोजनाओं के लिए 'को-डेवलपमेंट, को-डिजाइन, को-प्रोडक्शन' रूपरेखा को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''आज की बातचीत में राफेल और दूसरे मुद्दों पर चर्चा हुई, लेकिन मुख्य बात यह थी कि किसी भी रक्षा मंच के मामले में हम इस आधार पर आगे बढ़ेंगे कि उसमें अधिक से अधिक स्थानीय सामग्री और स्थानीय विनिर्माण हो और हमारा सहयोग इसी बात को ध्यान में रखकर तैयार किया जाए।''

बड़ा हादसा! सड़क किनारे कुंए में गिरी श्रद्धालुओं से भरी पिकअप, 8 की मौत

सोलापुर।

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां पंढरपुर इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया है। दरअसल, श्रद्धालुओं से भरी पिकअप वैन सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई। हादसे के समय पिकअप में कुल 15 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में 8 लोगों की मौत

हो गई है, जबकि सात लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं जानकारी के मुताबिक ये सभी लोग पंढरपुर के रांजनी गाव के निवासी हैं। ये सभी लोग तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। हादसे के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि घटना रविवार शाम को हुई है। यहां सोलापुर जिले की मालशिरस तहसील में लोगों को ले जा रही एक पिकअप गाड़ी सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा 7 अन्य लोग घायल हो गए हैं। फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि यह घटना टंडुलवाड़ी गांव के पास हुई। घटना के समय पिकअप वैन में कुल 15 लोग सवार थे। सोलापुर के पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी ने कहा, शुरुआती जानकारी के मुताबिक, 15 लोगों को ले जा रही पिकअप गाड़ी ड्राइवर का नियंत्रण खोने के बाद सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई। चार महिलाओं और चार बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हो गए।÷ उन्होंने बताया कि गाड़ी को कुएं से बाहर निकाला जा रहा है और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएम मोदी ने किया मुआवजे का ऐलान

पीएम मोदी ने भी इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महाराष्ट्र के सोलापुर ग्रामीण इलाके में हुए दुखद हादसे में लोगों की मौत से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से, प्रत्येक मृतक के परिवार को 2 लाख की राहत राशि दी जाएगी। इसके अलावा, घायलों को 50,000 दिए जाएंगे।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live देश विदेश
भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, चीन, जापान आदि की खबरें..

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

मोदी-मैक्रों वार्ता के बाद भारत, फ्रांस ने अगले पांच वर्षों में व्यापार को दोगुना करने का निर्णय लिया..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच रविवार को हुई व्यापक वार्ता में 13 मुद्दों पर सहमति बनी, जिनमें नवाचार रूपरेखा,

अगले पांच वर्षों में वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य और एक संयुक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ढांचा शामिल हैं। दोनों पक्षों ने तीव्र गति रेलवे क्षेत्र में सहयोग के लिए एक घोषणा-पत्र और गोपनीय डेटा की सुरक्षा के लिए एक सुरक्षा समझौते को भी अंतिम रूप दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत की 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) प्रणाली का विस्तार पेरिस हवाई अड्डे और नीस तक करने पर भी सहमति व्यक्त की।

दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत मुख्य रूप से तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित थी, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने वैज्ञानिक प्रगति के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार रात अपने सप्ताहभर के फ्रांस और स्लोवाकिया दौरे के तहत इस फ्रांसीसी शहर पहुंचे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि मोदी-मैक्रों की चर्चा में द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे को शामिल किया गया, जिसमें रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु ऊर्जा, व्यापार और निवेश, तकनीक, नवाचार, शिक्षा, गतिशीलता तथा दोनों देशों के लोगों के बीच परस्पर संबंध शामिल हैं।

उन्होंने कहा, 'चर्चा का प्रमुख केंद्र आर्थिक विकास, तकनीक और नवाचार के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर भी रहा। यह विशेष रूप से इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि इस वर्ष की शुरुआत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ताएं पूरी हो चुकी हैं।'

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-फ्रांस नवाचार रूपरेखा 2030 का उद्देश्य अत्याधुनिक और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ स्टार्टअप के क्षेत्र में सहयोग को गहरा करना है, साथ ही शैक्षणिक गतिशीलता और उद्योगङ्क्षशिक्षा जगत के बीच संबंधों को बढ़ावा देना भी है।

दोनों पक्षों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक उच्च-स्तरीय तंत्र के गठन की भी घोषणा की। वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 16 अरब अमेरिकी डॉलर का है। आर्थिक सुरक्षा के लिए एक अलग संवाद तंत्र की भी घोषणा की गई।

संयुक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कार्य समूह का गठन एआई व्यवस्था को बढ़ावा देने तथा संयुक्त अनुसंधान और विकास, क्षमता निर्माण और उद्योगों के बीच आदान-प्रदान को समर्थन देने के उद्देश्य से किया गया है।

दोनों पक्षों ने पेरिस हवाई अड्डे और नीस में यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के उपयोग का विस्तार करने का भी निर्णय लिया, जिससे यूरोप में भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की पहुंच और मजबूत होगी। इस कदम से भारतीय पर्यटकों, विद्यार्थियों, प्रवासी समुदाय और व्यापार के सिलसिले में यात्रा करने वालों को भी सहायता मिलने की उम्मीद है।

मोदी-मैक्रों की बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने कानपुर में विमानन और संबद्ध क्षेत्रों में कौशल विकास के लिए एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की भी घोषणा की। यह केंद्र विमानन और एयरोस्पेस क्षेत्रों में कौशल विकास, संस्थागत सहयोग और अनुसंधान को समर्थन देगा। इसके साथ ही यह विनिर्माण तथा एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और संचालन) क्षेत्रों के लिए कार्यबल को मजबूत करने की भी उम्मीद है।

इसके अलावा मुख्य रूप से नवाचार और डिजिटल क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं में सहयोग को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी। मिसरी ने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लिए एक उच्च-स्तरीय तंत्र की स्थापना, आर्थिक सुरक्षा पर एक संवाद की शुरुआत, नवाचार रूपरेखा 2030 को अपनाना, दोनों देशों के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े संस्थानों के बीच 19 समझौतों पर हस्ताक्षर, तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित एक संयुक्त कार्य समूह के गठन को प्रमुख उपलब्धियों के रूप में रेखांकित किया।

बचपन में सिर से उठा मां का साया, पिता ने भी छोड़ा साथ, अब भारतीय रेलवे में लोको पायलट बनीं रीवा की कल्पना..

डेस्क जगप्रेरणा।

मध्य प्रदेश के रीवा से एक खुशखबरी आई है। अब देश की बेटियां सिर्फ सपने नहीं देख रहीं, उन्हें पूरा भी कर रही हैं। कल्पना का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हो गया है, जिन्होंने बचपन में अपनी मां को खो दिया

और बाद में मां की मौत के बाद उनके पिता ने बीच राह में साथ छोड़ दिया, लेकिन रीवा की बेटी कल्पना प्रजापति ने संघर्षों के आगे हार नहीं मानी। आज वही कल्पना भारतीय रेलवे में असिस्टेंट लोको पायलट बनकर हजारों युवाओं खासकर बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

मुश्किलों को हराकर कल्पना बनीं असिस्टेंट लोको पायलट..

रीवा जिले के बहुरीबांध गांव की रहने वाली 23 साल की कल्पना प्रजापति की जिंदगी शुरुआत से ही चुनौतियों से भरी रही। जन्म के समय ही उनकी मां का निधन हो गया था, जिसके बाद दादी ललैया प्रजापति ने उन्हें मां का प्यार देकर बड़ा किया। सीमित संसाधनों और कठिन हालातों के बीच भी कल्पना ने शिक्षा और अपने सपनों का दामन नहीं छोड़ा। उन्होंने मन लगाकर खूब पढ़ाई की और अपने परिवार का सिर गर्व से ऊंचा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

कल्पना प्रजापति की प्रेरणादायक कहानी..

संघर्षों का सिलसिला यहीं नहीं रुका। वर्ष 2024 में प्रशिक्षण अधिकारी परीक्षा से महज दो दिन पहले करंट लगने से उनके पिता गोधन लाल प्रजापति का निधन हो गया। कल्पना प्रजापति के अनुसार मां की मौत के बाद उनके पिता ने उनसे दूरी बना ली थी और दूसरी शादी कर ली थी। हालांकि, अब उनके माता-पिता दोनों इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं। इस दुखद घटना ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया और वह परीक्षा भी नहीं दे सकीं, लेकिन उन्होंने हालात के आगे घुटने टेकने के बजाय खुद को संभाला और अपने लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ती रहीं।

भारतीय रेलवे में चुनी गईं कल्पना प्रजापति..

पिता के निधन के बाद कल्पना ने लाइब्रेरी में काम करते हुए अपनी पढ़ाई जारी रखी। परिवार के सदस्यों, खासकर दादी, दूसरी मां, चाचा-चाची और मामा के सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया। उन्होंने शासकीय आईटीआई रीवा से पढ़ाई की, जहां प्रशिक्षण अधिकारी नरेंद्र द्विवेदी के मार्गदर्शन ने उनकी राह आसान की। लगातार मेहनत और समर्पण का परिणाम यह रहा कि कल्पना का चयन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल में असिस्टेंट लोको पायलट पद पर हुआ। रेलवे प्रशासन द्वारा उन्हें नियुक्ति पत्र भी सौंपा जा चुका है। आगामी 18 जून 2026 को वह ट्रेन संचालन की पहली ट्रायल रनिंग में हिस्सा लेंगी और अपने सपनों को नई उड़ान देंगी।

कल्पना प्रजापति पिता को याद कर हुईं भावुक..

कल्पना का कहना है कि इस सफलता से उन्हें बेहद खुशी मिली है, लेकिन अगर उनके पिता आज उनके साथ होते तो यह पल और भी खास होता। वहीं उनकी दादी ललैया प्रजापति का कहना है कि परिवार को बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व है और वह अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें..
मो. 9329033433

ऑटो से भीषण टक्कर के बाद बाइक सवार का सिर धड़ से अलग हुआ, 6 लोग गंभीर रूप से घायल..

ओडिशा के कटक जिले में रविवार को एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नरसिंहपुर क्षेत्र के बड़म्बा स्थित टी ब्रिज पर एक ऑटो रिक्शा और मोटरसाइकिल के बीच हुई जोरदार टक्कर में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ऑटो में सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के मुताबिक, पुल पर मोटरसाइकिल और ऑटो-रिक्शा आमने सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक को बेहद गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना का प्रभाव इतना भयावह था कि युवक का सिर उसके धड़ से अलग हो गया। मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना को देखकर स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए और इलाके में शोक का माहौल बन गया। पुल से गुजर रहे अन्य लोग भी हादसे की भयावहता देखकर घबरा गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। घायल यात्रियों को बचाने के लिए तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल उनकी स्थिति पर डॉक्टरों की निगरानी बनी हुई है।

हादसे के कारण कुछ समय के लिए पुल और आसपास के इलाके में यातायात भी प्रभावित रहा। बचाव कार्य और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने के दौरान सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित हुई। बाद में प्रशासन ने स्थिति को सामान्य कराया।

सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिर टक्कर किन परिस्थितियों में हुई और हादसे की असली वजह क्या थी। फिलहाल मृतक युवक की पहचान और दुर्घटना से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच जारी रखे हुए है और जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

इस घटना के सामने आने के बाद सड़क पर जिसने भी कटे हुए सिर को देखा, वह सिहर उठा। लोगों के लिए ये काफी डराने वाली मंजर था।

बेटे ने मां और पिता दोनों की कर दी हत्या, डबल मर्डर से गांव में मचा हड़कंप..

डेस्क जगप्रेरणा।

जगतसिंहपुर: ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिले के बालिकुदा थाना क्षेत्र के तेरतांग गांव में रविवार को पारिवारिक विवाद ने ऐसा खौफनाक रूप ले लिया कि एक बेटे पर अपने ही पिता और सौतेली मां की हत्या कर दी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और लोग हैरान हैं कि आखिर एक पारिवारिक विवाद इतनी बड़ी त्रासदी में कैसे बदल गया।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के मुताबिक, परिवार के भीतर जमीन जायदाद को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि इसी विवाद को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच लगातार तनाव बना हुआ था। रविवार को यह विवाद अचानक उग्र हो गया और स्थिति इतनी बिगड़ गई कि बेटे ने अपने पिता और सौतेली मां पर हमला कर दिया।

हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना इतनी भयावह थी कि पिता और सौतेली मां की मौके पर ही मौत हो गई। इस डबल मर्डर की खबर मिलते ही गांव में अफरा तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल के आसपास जमा हो गए।

सूचना मिलने के बाद बालिकुदा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हत्या के आरोप में बेटे को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

परिवार के लोगों से हो रही पूछताछ..

पुलिस अधिकारियों द्वारा मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में जमीन जायदाद का विवाद घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है, लेकिन पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना के पीछे और कौन कौन से कारण हो सकते हैं। इसके लिए परिवार और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। जिस परिवार में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था, उसी परिवार के दो सदस्यों की जान चली गई। भले ही जमीन विवाद को लेकर परिवार में लंबे समय से तनाव था, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि मामला इतना गंभीर हो जाएगा।

फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद घटना से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ पाएंगे। इस डबल हत्याकांड ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि पारिवारिक विवाद और संपत्ति को लेकर बढ़ता तनाव किस तरह रिश्तों को खत्म कर सकता है।

देहरादून में हिंदू युवक की हत्या पर बवाल

गुस्साए लोगों ने आरोपी के घर में लगाई आग; प्रशासन ने भी चलाया बुलडोजर..

डेस्क जगप्रेरणा।

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के विकासनगर में हिंदू युवक विनोद की पीट-पीटकर हत्या मामले में लोगों का गुस्सा फूटा है। गुस्साई भीड़ ने आरोपी के घर को आग के हवाले कर दिया है। आरोपी के घर में जमकर तोड़फोड़ की गई।

इस बीच, खबर आई कि देहरादून प्रशासन ने भी बुलडोजर एक्शन शुरू कर दिया है। आरोपी इम्तियाज के घर पर अवैध निर्माण को बुलडोजर से ढहाने का काम किया जा रहा है।

तीन नामजद समेत 25 के खिलाफ FIR दर्ज..

बता दें कि वारदात के बाद से ही इलाके में पुलिस बल तैनात है। भीड़ को कंट्रोल करने की पूरी कोशिश की जा रही है। इस मामले में तीन नामजद आरोपियों समेत 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस लोगों को कार्रवाई का भरोसा दे रही है। लेकिन लोग बेहद गुस्से में हैं और आरोपी को घर को निशाना बना रहे हैं।

खेत में पानी लगाने को लेकर शुरू हुआ था विवाद..

जानकारी के मुताबिक, जिन दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई उनके बीच पुरानी रंजिश थी। बीते शनिवार को विनोद और उनके भाई सरकारी ट्यूबवेल से अपने खेत में पानी लगा रहे थे। इस बीच, बगल के खेत के मालिक इम्तियाज ने आपत्ति जताई तो दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। फिर, करीब दर्जनभर लोगों के साथ इम्तियाज ने विनोद और उसके भाई पर हमला बोल दिया।

इलाज के दौरान विनोद ने तोड़ा दम..

इस हिंसक झड़प में बुरी तरह घायल विनोद की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसके दो भाइयों की हालत गंभीर है। हत्या के बाद हिंदू समाज के लोगों में गुस्सा है। आरोपी इम्तियाज और उसके गुंडों की पिटाई से विनोद की मौत की खबर पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई।

पुलिस ने दिया सख्त कार्रवाई का आश्वासन..

देहरादून प्रशासन ने इस मामले की गंभीरता के मद्देनजर पूरे इलाके में एडिशनल पुलिस फोर्स तैनात किया हुआ है। आला अधिकारी लगातार विकासनगर के हालात पर नजर बनाए हुए हैं। दोनों पक्षों से शांति की अपील की जा रही है।

पुलिस ने साफ कर दिया है कि हत्या में शामिल लोगों के खिलाफ भी सख्त एक्शन होगा। वे चाहे जो भी हों उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, लोकल प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर विश्वास न करने और शांति व्यवस्था कायम रखने का आह्वान कर रहा है।

अमेरिकी नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में 14 भारतीय नाविकों के बचाव में मदद की..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

अमेरिकी नौसेना के एक खोज और बचाव हेलीकॉप्टर ने रविवार को उत्तरी अरब सागर में 14 भारतीय नाविकों को बचाने में मदद की। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने यह जानकारी दी।

सेंट्रल कमान ने एक बयान में कहा, ÷रविवार सुबह भारतीय समयानुसार करीब 11:30 बजे जैसे ही संकट में फंसे नाविकों का आपातकालीन संदेश मिला, अमेरिकी नौसेना का पी-8 विमान सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचा। विमान से तुरंत एक लाइफराफ्ट (बचाव नौका) से युक्त बचाव किट नीचे फेंकी गई, जिसकी मदद से सभी 14 नाविकों को सुरक्षित उस पर सवार कराया गया।' इसमें कहा गया है कि बाद में मोटर वेसल (एम/वी) जबल अली 9 घटनास्थल पर पहुंचा और उसने राफ़्ट से चालक दल के ग्यारह सदस्यों को सफलतापूर्वक बचा लिया।

कमान ने कहा, 'निमित्ज़-श्रेणी के विमान वाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन 72) से जुड़े एक एमएच-60एस सी हॉक ने तीन और नाविकों को उस वक्त बचाया जब तूफानी समुद्र में उनकी बचाव नौका पलट गई थी। तीनों नाविकों को एम/वी जबल अली 9 पर ले जाया गया।'

ओडिशा में अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में सात लोगों की मौत, 26 घायल..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

ओडिशा के तीन जिलों में रविवार को चार अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि क्योंझर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर कांजीपानी थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल से जुड़े अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अक्षय सानांगी (40) और लक्ष्मण सानांगी (32) नामक भाइयों तथा सुरेश, शंकर और डोला के रूप में हुई है।

कटक जिले से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, सुशील कुमार गोछी नाम के एक व्यक्ति की मौत उस समय हुई, जब नृसिंहनाथ मंदिर और बडंबा इलाके को जोड़ने वाले पुल पर उसकी मोटरसाइकिल की एक ऑटो-रिक्शा से भिड़ंत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'टक्कर के कारण उस व्यक्ति का सिर उसके शरीर से अलग हो गया।'

उन्होंने बताया कि ऑटो-रिक्शा में सवार एक महिला समेत कुल छह यात्री घायल हो गए और उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

ओडिशा के बालासोर जिले के सोरो में रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर एक पर्यटक बस के सड़क के डिवाइडर से टकरा जाने से चालक की मौत हो गई और कम से कम 20 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बस में लगभग 45 यात्री सवार थे और यह कोलकाता से आंध्र प्रदेश के विजयनगरम लौट रही थी, तभी यह दुर्घटना का शिकार हो गई। पुलिस ने बताया कि पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त बस से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान के. वेंकटेश्वर (54) के रूप में हुई है, जबकि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला प्रशासन ने जीवित बचे यात्रियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए आंध्र प्रदेश के प्रशासन से संपर्क किया है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

3 सोमवार 15 जून 2026
जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

खेत में गुल्ली फल बीनने गई महिला को बाघ ने बनाया शिकार

मौके पर मौत, पुलिस और वन अमला कर रहा जांच..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के बरघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत बीजाटोला गांव में रविवार दोपहर एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां जंगल से लगे खेत में गुल्ली फल बीनने गई एक महिला पर बाघ ने हमला कर

उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीजाटोला (मऊ) निवासी सेवबती मर्सकोले (लगभग 45 वर्ष), पति शिवचरण मर्सकोले रविवार दोपहर गांव के समीप जंगल से लगे खेत क्षेत्र में गुल्ली फल बीनने गई थीं। इसी दौरान घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। बाघ के हमले से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाघ ने महिला के शरीर के निचले हिस्से को भी नुकसान पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। वहीं सूचना मिलने पर बरघाट पुलिस और वन विभाग का अमला भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचा। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी।

वन विभाग के कर्मचारियों ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है ताकि बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और किसी अन्य अप्रिय घटना को रोका जा सके। घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्रों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल से लगे इलाकों में बाघों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, जिससे खेतों और जंगल में काम करने जाने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने और वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने की मांग की है।

वन विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने मृतक महिला के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही शासन की ओर से मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि नियमानुसार उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई कर मामले की जांच शुरू कर दी है, जबकि वन विभाग की टीम बाघ की मौजूदगी और उसके मूवमेंट पर लगातार नजर बनाए हुए है।

कल्चुरी (कलार) समाज के आप सभी मेधावी बच्चे अपनी मेहनत व लगन से उच्च पद प्राप्त कर देश सेवा में जुटे - दिनेश राय..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के हैहय कल्चुरी (कलार) समाज के आप सभी बच्चो ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से जो सफलता प्राप्त की है उसे आगे बढ़ाए और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जी-जान से जुट जाए। उक्ताशय के विचार दिनेश राय विधायक सिवनी द्वारा कलार समाज के मेधावी बच्चो को दिए गये 'कल्चुरी प्रज्ञा सम्मान' समारोह मे व्यक्त किये गये। सर्वप्रथम भगवान सहत्रबाहु एवं सरस्वती के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पूजन के पश्चात डाँ गजेन्द्र डहरवाल द्वारा प्रज्ञा सम्मान समारोह की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया ।

तत्पश्चात कक्षा 10वीं के 31 एवं कक्षा 12वीं के 18 बच्चो को प्रशस्ति-पत्र व मेडल द्वारा सम्मानित करते हुए दिनेश राय ने अपने उद्बबोधन में कहा कि आप जैसी आज की प्रतिभाशाली पीढ़ी न केवल अपने परिवार व समाज वरन् पूरे देश की नींव है अतः उच्च पदो में जाकर देश की सेवा मे जुट जाए।उन्होने समिति द्वारा भेंट किए गये सम्मान व प्रतीक चिन्ह को प्रदेश मे 9वाँ स्थान प्राप्त एवं जिले मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कु.शुभी मनीष राय, को भेंट कर एक आदर्श स्थापित किया और आगे कहा कि मेधावी बच्चों के ऐसे सम्मान होने से बच्चे उत्साहित व प्रेरित भी हुए है जिसके लिए आयोजक कल्चुरी फाउंडेशन सिवनी को मैं बधाई व धन्यवाद ज्ञापित करता हू।

ज्ञात होवे कि सिगरोली की प्रज्ञा जायसवाल ने विगत सत्र मे कक्षा 10वी मे 500 मे से 500 अंक प्राप्त कर प्रदेश मे समाज का गौरव बढ़ाया था उसी के नाम से कल्चुरी फाउंडेशन द्वारा विगत वर्ष से जिले के कक्षा 10 एवं 12वीं में 75त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चो को कल्चुरी प्रज्ञा सम्मान देकर सम्मानित किया जाता है। समारोह में डाँ शुभम शिवहरे एवं डाँ श्रीमती आयुशी शिवहरे ने बच्चो को मेडीकल क्षेत्र मे जाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स देतेहुए बताया कि किस तरह आप एमबीबीएस एक्जाम की तैयारी कर सकते है पर सफल होने के लिए बहुत समय एवं धैर्य रखनाहोगा। कार्यक्रम स्थल एवं भोजन की व्यवस्था करने वाले आईपीएस स्कूल के संचालक जितेंद्र चौकसे द्वारा उपस्थित बच्चो एवं अभिभावकों को बताया गया कि 12वी के बाद किन किन क्षेत्रो मे अपना कैरियर बना सकते है मेडीकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, सीए,प्रशासनिक सेवा, आर्मी जैसे क्षेत्रो मे जाने के लिए हमारा कल्चुरी फाउंडेशन सतत् रुप से आपको मार्गदर्शन देगा। सम्मान समारोह में प्रदीप राय संभागीय अध्यक्ष कलार समाज एवं जिलाअध्यक्ष किसान मोर्चा एवं जवाहर लाल राय ने भी बच्चो को प्रेरित किया।

विधायक सहित मंच में उपस्थित श्रीमती मुक्ता जायसवाल, सुश्री संगीता (गोलू)राय, प्रदीप राय, जवाहर लाल राय, टी एस राय द्वारा फाउंडेशन के आदेश मालवीय दिनेश चौकसे, अमित राय, संतोष राय, राजा बाबू राय, रीतेश राय, महेश सूर्यवंशी, एन एस राय, संतोष सूर्यवंशी, अखिलेश राय, मनोज राय, आशु चौकसे, रंजीत राय, दीपक राय, मनीष राय, अरविंद राय, भूपेंद्र चौकसे, लोमेश चौकसे, सुजीत सूर्यवंशी, सुरेंद्र जायसवाल, राजेंद्र ठाकुर, अमित राय, सुधीर राय, सुनील शिवने, कन्हैया शिवहरे, अजीज राय, चित्रकांत जायसवाल, अंचल, संजय राय एवं कार्यक्रम का संचालन कर रहे डाँ.गजेन्द्र जायसवाल को प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। कलार समाज की ओर मै बधाई शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की वार्षिक परीक्षा में 75त्न से अधिक अंक प्राप्तकिये हो ऐसे मेधावी बच्चों एवं उनके माता-पिता को 'कल्चुरी प्रज्ञा' सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

कल्चुरी फाउंडेशन से अरुण राय ने बताया कि गत सत्र में कु.प्रज्ञा जायसवाल सिंगरौली ने कक्षा 10 वी बोर्ड परीक्षा में 500 मे से 500 अंक प्राप्त पूरे प्रदेश में टाप किया था और कलार समाज को गोरवान्वित किया था उसी की सफलता से प्रेरित होकर सिवनी जिले में ÷कल्चुरी फाउंडेशन÷ द्वारा विगत वर्ष कलार समाज के मेधावी बच्चो को 'कल्चुरी प्रज्ञा' सम्मान से सम्मानित किया गया था ।

श्री राय ने आगे बताया है कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह ÷कल्चुरी प्रज्ञा सम्मान÷ समारोह आयोजित किया जा रहा है जिसमे सिवनी जिले के मेधावी बच्चो को विधायक एवं अधिकारियों की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। अतः हैहय कल्चुरी(कलार) समाज के सामाजिक बंधुओ से अनुरोध कि 75त्न से अधिक अंक लेने वाले कलार समाज के बच्चो की अंकसूची की छायाप्रति जिसमें पता एवं मोबाइल नं. लिखा हो, नीचे दिए गये कल्चुरी फाउंडेशन के सदस्य साथी के व्हाट्सएप नं. पर भेजना सुनिश्चित कीजिए।

उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक के अवैध विक्रय पर एफआईआर दर्ज

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्यप्रदेश शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना एवं उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के

मार्गदर्शन में जिले में कृषि आदानों के अवैध विक्रय के विरुद्ध सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम सिलघाट में उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक के अवैध विक्रय के मामले में थाना बरघाट में एफआईआर दर्ज कराई गई है। विभाग को शिकायत प्राप्त हुई थी कि ग्राम सिलघाट में किसानों के घर-घर जाकर बीज एवं उर्वरकों का विक्रय किया जा रहा है।

प्राप्त सूचना के आधार पर गठित जिला स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण दल, जिसमें सहायक संचालक कृषि पवन कुमार कौरव, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बरघाट मेघदूत परते, जिला परामर्शदाता मुकेश मीणा एवं कृषि विस्तार अधिकारी संजय कुमार चौहान शामिल थे, ने मौके पर पहुंचकर जांच की। निरीक्षण के दौरान ग्राम सिलघाट निवासी कृषक महासिंह भलावी के घर पर दानेदार जैविक खाद, धान बीज, ह्यूमिक एसिड तथा कीटनाशक पाए गए। पूछताछ में कृषकों ने बताया कि उक्त सामग्री का विक्रय दिलीप भगत नामक व्यक्ति द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा है, जो जिला बालाघाट का निवासी है।

जांच के दौरान दिलीप भगत से उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय संबंधी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, किन्तु वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। उसके पास उपलब्ध रजिस्टर में ग्राम सिलघाट के अलावा चिमनाखारी एवं टेटमा के किसानों को भी कृषि आदानों का विक्रय किए जाने का उल्लेख पाया गया। दस्तावेजों के अभाव में विक्रय किए जा रहे कृषि आदान संदिग्ध एवं अवैध प्रतीत होने पर संबंधित के विरुद्ध थाना बरघाट में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955, उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985, बीज अधिनियम 1966 तथा कीटनाशी अधिनियम 1968 की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराई गई।

लगातार जारी है कार्रवाई

कृषि विभाग द्वारा खरीफ सीजन 2026 के दौरान कृषि आदानों की गुणवत्ता एवं वैध विक्रय सुनिश्चित करने के लिए सतत निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिले में अब तक अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कुल 4 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं तथा निरीक्षण दल द्वारा नियमित रूप से कृषि आदान विक्रेताओं की जांच की जा रही है।

किसानों से अपील

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही उर्वरक, बीज एवं कीटनाशकों का क्रय करें तथा खरीदारी के समय बिल अवश्य प्राप्त करें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अवैध विक्रय की जानकारी तत्काल कृषि विभाग अथवा प्रशासन को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

सिवनी को मिला नया जिला आपूर्ति अधिकारी, देवेंद्र सिंह खोबरिया संभालेंगे जिम्मेदारी..

जगप्रेरणा सिवनी।

राज्य शासन ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में प्रशासनिक फेरबदल करते हुए सिवनी जिले को नया जिला आपूर्ति अधिकारी (डीएसओ) दिया है।

जारी स्थानांतरण आदेश के अनुसार देवेंद्र सिंह खोबरिया का तबादला नरसिंहपुर से सिवनी किया गया है। वे जल्द ही सिवनी में पदभार ग्रहण करेंगे। जानकारी के अनुसार शासन द्वारा जारी आदेश में प्रदेश के कई जिला आपूर्ति अधिकारियों के स्थानांतरण किए गए हैं। इसी क्रम में सिवनी जिले में देवेंद्र सिंह खोबरिया की पदस्थापना की गई है। उनके आगमन से जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), राशन वितरण व्यवस्था तथा खाद्यान्न प्रबंधन से जुड़े कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। विभागीय सूत्रों के अनुसार नए डीएसओ के सामने उचित मूल्य दुकानों की निगरानी, राशन वितरण की पारदर्शिता तथा उपभोक्ताओं से जुड़ी शिकायतों के निराकरण जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां रहेंगी। जिले के कर्मचारियों और हितग्राहियों की नजर अब नए अधिकारी की कार्यशैली पर रहेगी। बताया जा रहा है कि स्थानांतरण आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

दीप्ति कटरे बनी असिस्टेंट प्रोफेसर

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करें मो. 9329033433

जगप्रेरणा सिवनी।

कड़ी मेहनत निरंतर अध्ययन और दृढ़ संकल्प के बल पर सिवनी जिले के ग्राम तिघरा की बेटी दीप्ति कटरे ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम कर ली। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2024 में उनका अंतिम चयन हुआ है उनकी सफलता में न केवल परिवार बल्कि शिक्षा जगत और क्षेत्र को भी गौरांवित किया है संघर्ष, समर्पण और सकारात्मक सोच से सफलता प्राप्त करने वाली दीप्ति कटरे आज युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2024 के अंतिम परिणाम में दीप्ति कटरे का चयन होने पर परिवार मित्रों और शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है शिक्षा के क्षेत्र में लगा तार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली दीप्ति कटरे ने अपनी लगन और मेहनत के दम पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। दीप्ति कटरे ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों के साथ पिता राधेलाल कटरे माताजी सरला कटरे को अपना आदर्श मानते हुए अपनी सफलता की यात्रा पुरी की है उनकी शिक्षा 10वीं एवं 12वीं कक्षा केंद्रीय विद्यालय सिवनी एवं बीएससी जीजाबाई महाविद्यालय इंदौर एवं एम . ए. महाकौशल कॉलेज जबलपुर से पढ़ाई कर नेट क्वालीफाई कर इस मुकाम को हासिल किया इस उपलब्धि पर रिश्तेदार, मित्रो एवं जनप्रतिनिधियों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अलीनगर में आयोजित हुआ फ्री मेडिकल केम्प..

जगप्रेरणा कान्हीवाडा।

समीपस्थ ग्राम अलीनगर (भटेखारी) में श्री सत्य साई सेवा समिति की ओर से मेडिकल केम्प का आयोजन किया गया

जिसमें 3 डाक्टर पुरुष और 2 महिला डाक्टर ने पैरामेडिकल टीम के साथ अपनी सेवाएं प्रदान की। इस केम्प में प्रत्येक व्यक्ति का रजिस्टेशन किया सभी का वजन, शुगर एवं बी पी टेस्ट किया गया। रोग विशेषज्ञ डाक्टर द्वारा गहन जांच की गई। सभी के कार्ड बनाये गए हैं जिसमें उनका जांच रिकॉर्ड संधारित अगली योजना उसी के आधार पर बनाई जाएगी। इस केम्प में 90 महिला 20 बच्चे और 23 पुरुषों ने चैक अप करवाया। 3 बच्चे जो क्रिटिकल रोग से ग्रस्त हैं संगठन के माध्यम से उन्हें अच्छे डाक्टर के पास भेजा जाएगा। इस शिविर में आसपास की समितियों से लगभग 35 पुरुष एवं 25 महिला सेवा दल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरा सहयोग दिया। कान्हीवाडा से संतोष बंसकार और उनकी टीम पूरे समय उपस्थित रही और सभी की प्रतिक्रियाएं ली।

कुशवाहा समाज के अखंड भारतीय महासम्मेलन में पहुंचे हजारों लोग..

समाज की प्रतिभाओं का किया गया सम्मान..

जगप्रेरणा सिवनी।

अखंड भारती कुशवाहा महासभा का सम्मेलन राशि लाल में संपन्न हुआ इस अवसर पर हजारों लोगों ने शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक मदन गोपाल कुशवाहा ने कहा कि वर्तमान में समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है अगर हम एकजुट नहीं हुए थे समाज का विकास संभव नहीं है समाज में हमें अपनी संस्कृति संस्कार और रीति रिवाज के प्रति गंभीर होने की आवश्यकता है आज हम संगठित नहीं है जिसके कारण चाहे जनप्रतिनिधि हो या प्रशासन हमारी अपेक्षा करता है लेकिन अगर हम एकजुट होंगे तो यह हमारे समाज के लिए हितकारी होगा जिस पर विचार किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर समाज के प्रमुख सुनील राणा ने भी अपने पूर्व जो के इतिहास को लेकर अपनी बात रखी साथ ही अनेक प्रांतो से आए लोगों ने भी इस आयोजन को लेकर मदन गोपाल कुशवाहा को बधाई दी ज्ञातव्य है कि सिवनी नगर में यह पहला सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की और समाज को एकजुट करने का प्रयास किया कहा गया है अगर हमारी पांचो उंगली मुट्ठी बन जाए तो एक बड़ी ताकत बन सकती है जिसका उदाहरण हमें इस आयोजन के माध्यम से देखने को मिल रहा है।

आयोजन के प्रारंभ में समाज के गणमान्य नागरिको की उपस्थिति में पूजन आराधना की गई तत्पश्चात समाज के प्रतिभाओं का सम्मान किया गया साथ ही श्रीफल साल से मदन गोपाल द्वारा सम्मान किया गया आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची और उन्होंने भी अपने विचार रखें।

श्री श्याम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत आज विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन

जगप्रेरणा सिवनी।

श्री श्याम परिवार समिति, सिवनी द्वारा नागपुर रोड स्थित ऑरेंज सिटी कॉलोनी में नवनिर्मित श्री श्याम मंदिर के तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत सोमवार, 15 जून 2026 को विभिन्न वैदिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा। समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

समिति द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 8:00 बजे गणेश-गौरी पूजन के साथ सभी देवी-देवताओं का आह्वान किया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 11:00 बजे जलाधिवास एवं सुगंधिवास की पावन विधियां संपन्न होंगी। दोपहर 2:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन आयोजित किया जाएगा। दोपहर 4:00 बजे श्री राम मंदिर सुंदरकांड समिति द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा, जिसमें भक्तजन श्रीराम भक्ति रस में सराबोर होंगे। इसके बाद शाम 6:30 बजे पुष्पाधिवास की विशेष पूजा संपन्न होगी। संध्या 7:00 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक मोनू अग्रवाल, शैलू अग्रवाल, उमंग शर्मा, साहिल बघेल, कु.अनुशिखा अग्रवाल एवं मयंक मयूर बिंदल (डोंगरगढ़) अपनी मधुर प्रस्तुतियां देंगे। इस अवसर पर भव्य श्रृंगार, भव्य दरबार एवं श्याम रसोई की विशेष व्यवस्था भी रहेगी। समिति ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं एवं अतिथियों के लिए आवास की व्यवस्था की गई है। आवास हेतु पूर्व जानकारी देकर अपना स्थान सुरक्षित कराने का आग्रह किया गया है। श्री श्याम परिवार समिति ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में परिवार सहित उपस्थित होकर बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

सिवनी मे जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद 7898530101

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी अफ़सर डाल्डा फैक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्त प्रकरण पर राजीव गांधी पंचायत राज संगठन आज सौंपेगा ज्ञापन..

जगप्रेरणा सिवनी।

वर्तमान समय में चल रहे राज्यसभा चुनाव के दौरान मध्य प्रदेश विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा कांग्रेस पार्टी की राज्यसभा की उम्मीदवार सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म गैर कानूनी तरीके से बिना किसी ठोस कारण के निरस्त कर दिया है। इस घटना के विरोध में राजीव गांधी पंचायत राज संगठन द्वारा दिनांक 12 जून को जंतर मंतर नई दिल्ली में धरना प्रदर्शन किया गया एवं 13 जून को राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि में प्रार्थना की गई। इसी क्रम में आरजीपीआरएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील पवार एवं प्रदेश अध्यक्ष सुश्री मोना कौरव के निर्देश अनुसार सभी जिला मुख्यालय में आज 15 जून 2026 को संगठन के पदाधिकारी जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपेंगे।

उकताशय की जानकारी देते हुए राजीव गांधी पंचायत राज संगठन जिला सिवनी के अध्यक्ष मोहन सिंह चंदेल ने संगठन के समस्त पदाधिकारीयो से इस अवसर पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

कटंगी मंडी में किसानों से सरेआम लूटः प्रवेश पर्ची के नाम पर 'अवैध वसूली' का खेल, आक्रोश के बाद बैकफुट पर प्रशासन..

जगप्रेरणा कटंगी।

कृषि उपज मंडी कटंगी में रबी फसल बेचने आ रहे अन्नदाताओं से सरेआम ठगी और अवैध वसूली का एक गंभीर मामला सामने आया है। मंडी परिसर में प्रवेश के नाम पर किसानों से जबरन अवैध उगाही की जा रही थी।

सजग किसानों के भारी विरोध और तीखे आक्रोश के बाद फिलहाल इस अवैध खेल पर रोक लगा दी गई है। इस घटना ने मंडी प्रशासन की पारदर्शिता और व्यवस्थाओं पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।शून्य की पर्ची, पांच का वारहैरानी की बात यह है कि मंडी प्रशासन द्वारा जारी की जाने वाली प्रवेश पर्ची (मंडी स्लिप) पर शुल्क 'शून्य रुपए' दर्ज है। इसके बावजूद, मौके पर तैनात कर्मियों द्वारा नियमों को ताक पर रखकर प्रत्येक किसान से उनके अनाज के हर ढेर (लॉट) के एवज में 5 की अवैध वसूली की जा रही थी। अपनी खून-पसीने की रबी उपज लेकर पहुंचे भोले-भाले किसानों को गुमराह कर यह राशि वसूली जा रही थी। जब कुछ जागरूक किसानों ने इस लूट को पकड़ा और पर्ची पर दर्ज शून्य रुपए का हवाला दिया, तो सच सामने आ गया।किसानों का फूटा गुस्सा, रुकी उगाहीइस अंधेरगर्दी को देखकर मंडी में मौजूद किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने एकजुट होकर इस तानाशाही और भ्रष्टाचार के खिलाफमोर्चा खोल दिया। मंडी परिसर में जमकर हंगामा हुआ और किसानों ने तीखा विरोध दर्ज कराया। किसानों के भारी आक्रोश और बिगड़ते माहौल को देखकर अवैध वसूली कर रहे लोग तुरंत बैकफुट पर आ गए और आनन-फानन में इस अवैध उगाही को बंद कर दिया गया। व्यवस्था पर तीखे सवालयह घटना केवल 5 की वसूली का नहीं, बल्कि व्यवस्था की सड़न का प्रतीक है। रोजाना मंडी में सैकड़ों किसान अपनी फसल लेकर आते हैं। ऐसे में हर ढेर से पांच-पांच रुपए वसूल कर हर दिन हजारों रुपए की काली कमाई की जा रही थी। सवाल यह उठता है किःमंडी प्रशासन की नाक के नीचे यह अवैध कारोबार किसके संरक्षण में चल रहा था?'शून्य रुपए' की पर्ची पर वसूली करने की हिम्मत इन कर्मियों में कहां से आई?क्या उच्च अधिकारियों को इस पूरे खेल की भनक नहीं थी, या वे जानबूझकर आंखें मूंदे बैठे थे? अन्नदाता के स्वाभिमान से खिलवाड़ भीषण गर्मी में रात-दिन एक कर फसल उपजाने वाले किसानों को पहले ही मंडियों में कम दाम, तौल में गड़बड़ी और बारदाने की कमी जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। यह सीधे तौर पर अन्नदाता के स्वाभिमान और उनकी जेब पर डाका डालने जैसा है।सख्त कार्रवाई की मांगकटंगी के किसान संघ इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। किसानों का साफ कहना है कि सिर्फ वसूली रोक देना इस समस्या का हल नहीं है। इस भ्रष्टाचार में शामिल दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि भविष्य में दोबारा ऐसी किसी भी प्रकार की अवैध वसूली की कोशिश की गई, तो किसान मंडी का चक्का जाम करने और उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे

कटंगी में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए एक सराहनीय और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है..

जगप्रेरणा कटंगी।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरामोहगांव में बनेगी आधुनिक लैब, विधायक गौरव सिंह पारधी ने किया स्थल निरीक्षणकटंगी। क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने

और विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए एक सराहनीय कदम उठाया गया है। विकासखंड कटंगी के अंतर्गत आने वाले ग्राम जरामोहगांव स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जल्द ही छात्र-छात्राओं के लिए एक सर्वसुविधायुक्त आधुनिक प्रयोगशाला (लैब) का निर्माण किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए कटंगी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक गौरव सिंह पारधी ने विद्यालय परिसर का दौरा किया और प्रस्तावित निर्माण कार्य के लिए कार्यस्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।विद्यार्थियों को मिलेगा व्यावहारिक ज्ञाननिरीक्षण के दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी ने स्कूल प्रबंधन और उपस्थित अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती, बस उन्हें सही संसाधन और अवसर मिलने की आवश्यकता होती है।

जरामोहगांव के इस विद्यालय में आधुनिक लैब बनने से आसपास के दर्जनों गांवों के छात्र-छात्राओं को विज्ञान के विषयों को केवल किताबों में पढ़ने के बजाय व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर मिलेगा। इस आधुनिक प्रयोगशाला में भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान से जुड़े सभी आवश्यक आधुनिक उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देशविधायक पारधी ने कार्यस्थल का मुआयना करते हुए निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता के मानकों का पूरी तरह पालन किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों के भविष्य से जुड़ी इस परियोजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके साथ ही उन्होंने भवन निर्माण को समय-सीमा के भीतर पूरा करने को कहा ताकि आगामी सत्र से ही छात्र-छात्राएं इस आधुनिक लैब का लाभ उठा सकें।ग्रामीणों और स्कूल स्टाफने जताया आभारविधायक के इस संवेदनशील और विकासपरक प्रयास की ग्रामीण क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है।

जरामोहगांव के ग्रामीणों, शाला विकास समिति और विद्यालय के शिक्षकों ने विधायक गौरव सिंह पारधी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस लैब के बनने से क्षेत्र के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए शहरों की ओर नहीं भागना पड़ेगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण जन, स्कूल के प्राचार्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तंत्र - मंत्र से गुप्त धन की खुदाई करते 4 तांत्रिक रंगेहाथ गिरफ्तार

डोंगरिया के फार्म हाऊस में आधी रात कर रहे थे तांत्रिकी

जगप्रेरणा बालाघाट।

वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम डोंगरिया में स्थित फार्म हाऊस में कथित रूप से गड़े धन की खोज और तंत्र - मंत्र की तांत्रिक गतिविधियां करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को अपनी गिरफ्तार किया हैं।

तांत्रिक कार्य करने वालों को महाराष्ट्र के नागपुर सहित आसपास के रहने वाले बताये जा रहे हैं। आरोपितों पर आरोप है कि उन्होने गड़ा धन होने के नाम पर फार्म हाउस के गेट का ताला तोड़कर अवैध रूप से खुदाई प्रारंभ कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रं 299/ 2026 के अंतर्गत चारों आरोपितों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 331, 4 एवं 3/5 के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया हैं। हालांकि यह मामला इसलिये गंभीर है कि अमूक फार्म हाऊस में गड़े धन होने की जानकारी उन तक कैसे पहुंची? बताया जाता हैं कि बालाघाट निवासी ठेकेदार शेवेन्द्रसिंह परिहार का डोंगरिया में फार्म हाउस है। विगत 11 जून 2026 की रात करीब साढ़े 8 बजे उनके ड्राइवर पंकज ब्रहमे ने फोन पर उन्हें सूचना दी थी कि डोंगरिया स्थित फार्म हाउस के मुख्य गेट का ताला तोड़कर कुछ अज्ञात लोग जबरन अंदर घुस गए हैं। सूचना पर शेवेन्द्रसिंह परिहार अपने साथी अमित शर्मा और इंदरचंद बसेना को साथ लेकर फार्म हाऊस पहुंचे। जहां पर उन्होने देखा कि मुख्य गेट के बाहर एक संदिग्ध ग्रे रंग की आई. 10 कार क्रमांक एमएच 49 यू 7738 खड़ी है। जब फार्म हाउस के अंदर बने लेबर क्वार्टर और किचन के बीच खाली जगह पर पहुंचे, तो वहां देखा गया कि आरोपियों।

द्वारा गैती और फावड़े से गहरा गड्डा किया जा रहा था। लगभग डेढ़ फीट गहरे गड्ढे के पास तांत्रिक क्रिया की सामग्री में सिंदूर, कुमकुम, पुराने सिक्के, कौड़ी, शराब, मुर्गा और हिरन का पुतला रखा पाया गया। जो किसी गुप्त धन को निकालने की नीयत से पूजा पाठ और खुदाई कर रहे थे। जिसकी तत्काल सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची और आरोपितों को तत्काल पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में लिया। जानकारी में आया कि आरोपियों में ललित चिताड़े निवासी पिपलाकाटा हुडकेश्वर रोड नागपुर, हीराधर जगताप निवासी वार्ड 32 अयोध्या नगर नागपुर, पूनाजी मेश्राम निवासी बोरगांव चन्द्रपुर महाराष्ट्र, धर्मेश कुल्हे निवासी पंचपाओली नागपुर शहर महाराष्ट्र शामिल हैं। पुलिस की पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्हें डोंगरिया निवासी किशोर दमाहे और मशीनटोला निवासी अखिल कालबेले ने इस फार्म हाउस में भारी मात्रा में गड़ा हुआ धन होने का लालच देकर बुलाया था। स्थानीय आरोपियों के कहने पर ही ये लोग ताला तोड़कर अंदर घुसे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त खुदाई के उपकरण और तंत्र मंत्र की सामग्री जप्त की है। फरार स्थानीय आरोपियों की तलाश की जा रही है। इस संबंध में एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि 12 जून को फरियादी शेवेंद्र सिंह परिहार ने मामले में शिकायत की है कि डोंगरिया के फार्म हाऊस में कुछ लोग अवैध रूप में घूसकर कमरे के भीतर में तोड़ फोड़ व खुदाई कर रहे थे । साथ ही वहां पर कुछ तांत्रिक क्रियायें की जा रही थी। इस सूचना पर मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया हैं। जिन्हें जेल भेज दिया गया हैं। मामले में उनकी निशानदेही पर स्थानीय आरोपियों की तलाश की जा रही हैं। गिरफ्तार किये गये आरोपी सभी महाराष्ट्र के नागपुर व चंद्रपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं।

कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघ के हमले से सुरक्षा श्रमिक लखन सिंह की मौत, आमगहन का रहने वाला है मृतक

जगप्रेरणा बालाघाट।

कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत परिक्षेत्र कान्हा कोर जोन की बीट नकटी घाटी के कक्ष क्रमांक 136 में स्थित कैंप के समीप घंघारनाला क्षेत्र में बाघ ने सुरक्षा, श्रमिक को अपना शिकार बना लिया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

यह घटना आज 14 जून की प्रातः रविवार गश्ती के दौरान होना सामने आयी हैं। जानकारी में आया कि जब गश्ती दल संबधित स्थान से निकल रहा था तब एक वन्य बाघ ने अचानक हमला कर दिया, जिसमें अग्नि सुरक्षा श्रमिक लखन सिंह उम्र 29 वर्ष निवासी आमगहन बैहर की मृत्यु हो गई। इस संबंध में मिली कान्हा टाइगर रिजर्व जोन में गश्ती को लेकर वन विभाग के अमला के साथ ही सुरक्षा श्रमिकों की सेवा ली जाती है।

इसी के तहत गश्ती दल में सुरक्षा अग्नि श्रमिक लखन सिंह पिता बुद्ध सिंह गोंड, निवासी ग्राम आमगहन, जिला बालाघाट, नियमित गश्ती कार्य में दल के साथ वन क्षेत्र में मौजूद था। बताते है कि गश्ती के दौरान जब लखन सिंह निकल रहा था तब इसी दौरान बाघ ने अचानक उसके ऊपर हमला कर दिया। जिसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई । अन्य साथी गश्ती दल को तब तक पता चला तब तक बाघ ने अपना शिकार बना लिया था।

घटना की सूचना मिलते ही कान्हा टाइगर रिजर्व के अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई।

शव को पोस्टमार्टम की अग्रिम कार्रवाई के लिए चिकित्सालय भेज दिया गया है। जानकारी में बताया गया कि प्रबंधन द्वारा मृतक के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की गई है तथा शासकीय नियमानुसार देय शेष सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। कान्हा प्रबंधन एसडीओ आशीष पांडे ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्गम वन क्षेत्रों में हिंसक वन्यजीवों के बीच रहकर वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए कार्य करने वाले कर्मियों का योगदान अमूल्य है। वन्यजीव सुरक्षा के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले लखन सिंह की सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा। कान्हा टाइगर रिजर्व परिवार ने दिवंगत लखन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होने कहा कि लखन सिंह बहुत ही कर्मठ था और कई अवसरों पर उसने गश्ती के साथ ही अन्य क्षेत्र में अपनी सेवा दी हैं। जिनके साथ यह घटनाक्रम ने हम सभी को बहुत दुखी किया हैं। चूंकि बाघ ने किस तरह से हमला किया इसके कई कारण हो सकते है संभव है कि जब बाघ कही बैठा रहा हो और वहां पर अचानक कोई पहुंच जाये तो वह हमला कर देता है। संभव है कि यहां पर भी ऐसा हुआ होगा। मामले में जांच की जा रही हैं।

बैगा जनजाति बहुल ग्राम पंड्रापानी में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित..

किसानों को वितरित किए गए अरहर (भीमा) बीज

जगप्रेरणा बिरसा।

बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत जैरासी अंतर्गत बैगा जनजाति बहुल ग्राम पंड्रापानी में आज 14 जून को जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण हेतु विभिन्न विभागों द्वारा जानकारी एवं सेवाएं प्रदान की गईं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगत नेताम उपस्थित रहे। उनके साथ ग्राम पंचायत जैरासी के सरपंच ने किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं से लाभान्वित किया। इस अवसर पर कृषक श्री मुंगेल सिंह एवं श्री महेंद्र सिंह उईके को अरहर की उन्नत किस्म भीमा के बीज वितरित किए गए।

शिविर में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को खरीफसीजन की तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) पद्धति से धान की बुवाई के लाभों के बारे में बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि डीएसआर तकनीक अपनाने से पानी, श्रम एवं लागत की बचत होती है तथा समय पर बुवाई कर बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही किसानों को नरवाई प्रबंधन के महत्व से अवगत कराया गया। उन्हें फसल अवशेषों को जलाने के बजाय खेत में ही वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करने की सलाह दी गई, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहती है और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिलती है। किसानों को प्राकृतिक खेती, उन्नत कृषि तकनीकों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। शिविर में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, किसान, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने ऐसे शिविरों को शासन और आमजन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बताते हुए इसकी सराहना की तथा कृषि एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सीधे गांव स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

वनरक्षक भर्ती के चलते 21 से 23 जून तक रेंजर कालेज परिसर बालाघाट में आमजन का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्य प्रदेश शासन द्वारा विशेष आदिम जनजाति प्रवर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आयोजित वनरक्षक भर्ती-2026 के अंतर्गत भर्ती संबंधी गतिविधियों का आयोजन वनक्षेत्रपाल महाविद्यालय (रेंजर कालेज) बालाघाट परिसर में 21 जून से 23 जून 2026 तक

किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया के सुचारू संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इस अवधि में महाविद्यालय परिसर तथा परिसर से होकर गुजरने वाले मार्ग पर आमजन का प्रवेश एवं आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। रेंजर कालेज के अनुदेशक द्वारा जारी सूचना के अनुसार भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। इसी के तहत महाविद्यालय परिसर में केवल भर्ती प्रक्रिया से संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अभ्यर्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। सर्वसाधारण नागरिकों से अपील की गई है कि 21 से 23 जून के दौरान बजरंगघाट जाने के लिए महाविद्यालय परिसर से होकर गुजरने वाले मार्ग का उपयोग न करें तथा वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। साथ ही किसी भी प्रकार के अनाधिकृत प्रवेश अथवा प्रतिबंधित मार्ग का उपयोग करने से बचें। विशेष आदिम जनजाति प्रवर्ग हेतु आयोजित वनरक्षक भर्ती-2026 शासन की एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनकल्याणकारी पहल है। भर्ती प्रक्रिया के निर्बाध संचालन तथा अभ्यर्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आमजन का सहयोग आवश्यक है।

रेंजर कालेज के प्राचार्य ने नागरिकों से भर्ती प्रक्रिया के सफल आयोजन में सहयोग करने एवं जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

प्रेम संबंधों के चलते महिला बना रही थी शादी का दबाव, इसलिये आरोपी ने कर दी जघन्य हत्या..

बैहर की सविता धुर्वे हत्या प्रकरण में पुलिस ने किया खुलासा, हत्या मे सहयोगी रहे पिता और भाई को भी किया गिरफ्तार..

मृतिका सविता धुर्वे

बैहर पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी, जिन्हे किया गया गिरफ्तार..

जगप्रेरणा बैहर।

अनैतिक संबंधों के मामलों में अनेक प्रकरणों में बूरे परिणाम ही सामने आते हैं। ऐसा ही मामला बैहर बैहर थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 08 मोदी नगर बैहर में घटित हुआ था, जिसमें महिला सविता धुर्वे की धारदार हथियार से जघन्य हत्या की दी गई, जिसके बाद बैहर पुलिस

द्वारा त्वरित एवं प्रभावी विवेचना करते हुए सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया गया है, तथा मुख्य आरोपी के साथ ही षड्यंत्र में शामिल हत्यारे के पिता एवं भाई को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि दिनांक 12.06.2026 को प्रार्थी सालिकराम धुर्वे निवासी वार्ड क्रमांक 08 चालीस मकान बैहर द्वारा सूचना दी गई कि उसकी बहन सविता धुर्वे उम्र 35 वर्ष निवासी मोदी नगर बैहर का शव उसके निर्माणाधीन कच्चे मकान में रक्तरंजित अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना प्राप्त होते ही एसडीओपी बैहर श्री अरविंद शाह, थाना प्रभारी बैहर जयंत मर्सकोले, एफएसएल टीम, डाग स्कार्ट एवं फिंगरप्रिंट टीम मौके पर पहुचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रकरण में प्रार्थी की रिपोर्ट पर संदेही कृष्णा शिवालिया उर्फगणेश के विरुद्ध अपराध क्रमांक 105/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई ।

आरोपी को पकड़ने में सफल रही पुलिस..

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन मे सनसनीखेज हत्या के खुलासे एवं आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी बैहर के नेत्रत्व मे विशेष टीम का गठन किया गया। विवेचना के दौरान घटनास्थल से प्राप्त भौतिक साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल कॉल डिटेल एवं गवाहों के कथनों के आधार पर पुलिस द्वारा घटना के संदेही एवं फरार आरोपी कृष्णा शिवालिया उर्फगणेश की तलाश कर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया। आरोपी के निशादेही मे हत्या में प्रयुक्त धारदार कटर, घटना के समय उपयोग किए गए मोबाइल फोन तथा अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए। विवेचना के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि आरोपी ने अपने पिता एवं भाई के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी तथा घटना के बाद दोनों ने आरोपी को फरार होने में सहयोग करने एवं रक्तरंजित कपड़ों को जलाकर साक्ष्य नष्ट करने का प्रयास किया था।

आरोपी ने बताया क्यों कि हत्या..

आरोपी से पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि मृतिका एवं आरोपी कृष्णा उर्फगणेश के बीच पूर्व से प्रेम संबंध थे। समय के साथ दोनों के बीच व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कारणों से मतभेद होने लगे थे। मृतिका आरोपी से शादी करने तथा अपने बच्चों के पालन-पोषण करने को कहती रहती थी। इन्ही कारणों से आरोपी का शादी का रिश्ता भी टूट गया था, जिसके कारण वह मृतिका से नाराज एवं अत्यधिक परेशान रहने लगा।

इन्हीं बातों को लेकर आरोपी ने अपने पिता एवं भाई के साथ मिलकर मृतिका की हत्या की योजना बनाई और घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी कृष्णा शिवालिया उर्फ गणेश पिता बुधराम शिवालिया, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम कोहका थाना बैहर, 2. बुधराम शिवालिया पिता चैतराम शिवालिया निवासी ग्राम कोहका थाना बैहर एवं 3. बलराम शिवालिया पिता बुधराम शिवालिया उम्र 35 साल निवासी ग्राम कोहका थाना बैहर को गिरफ्तार कर लिया है।

शासन की योजना के बल पर देशी व्यंजनों और उत्पादों के निर्माण से बदल रही महिलाओं की जिंदगी..

बालाघाट जिले में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं स्व-सहायता समूह की महिलाएं

जगप्रेरणा बालाघाट।

शासन की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं जब उनका लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। बालाघाट नगर में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डे-एनयूएलएम) के माध्यम से

महिलाओं के जीवन में ऐसा ही परिवर्तन देखने को मिल रहा है। कभी केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली महिलाएं आज स्वरोजगार के माध्यम से न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल भी पेश कर रही हैं। बालाघाट शहर में संचालित कुमकुम आजीविका स्व-सहायता समूह और उज्ज्वला आजीविका स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सामूहिक प्रयास और सरकारी योजनाओं के सहयोग से अपने लिए रोजगार के नए अवसर तैयार किए हैं। इन समूहों को राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह ऋण एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिससे उन्होंने घरेलू उत्पादों और पारंपरिक खाद्य सामग्री के निर्माण का कार्य शुरू किया।

समूह की मेहनत ने दिलाई पहचान

कुमकुम आजीविका स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष शीला बताती हैं कि शुरुआत में स्वरोजगार शुरू करने को लेकर कई चुनौतियां थीं, लेकिन समूह की महिलाओं ने हिम्मत नहीं हारी। पड़ोस और सहेलियों के सहयोग से समूह का गठन किया गया और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से जुड़कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की गई।

समूह को ऋण एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत शुरुआती आर्थिक सहायता मिली, जिसके आधार पर महिलाओं ने अचार, पापड़, बड़ी एवं अन्य घरेलू खाद्य उत्पादों का निर्माण शुरू किया। गुणवत्ता और स्वाद के कारण उनके उत्पादों को कम समय में ही ग्राहकों की पसंद मिल गई। आज इन उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। शीला बताती हैं कि नियमित आय के साथ-साथ समय पर ऋण चुकौती करने से समूह की विश्वसनीयता भी बढ़ी है। आर्थिक मजबूती ने महिलाओं के आत्मविश्वास, सामाजिक प्रतिष्ठा और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार किया है।

पीएम स्वनिधि योजना बनी संबल

इसी तरह वार्ड क्रमांक 15 में संचालित उज्ज्वला आजीविका स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष रानी फुलसुंघे भी सफलता की नई कहानी लिख रही हैं। वर्ष 2016 में समूह गठन के समय महिलाओं के सामने सीमित संसाधन और अनुभव की कमी जैसी चुनौतियां थीं, लेकिन समूह की 11 महिलाओं ने मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। रानी बताती हैं कि नगर पालिका परिषद बालाघाट में संचालित राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन शाखा से संपर्क कर उन्होंने स्वरोजगार एवं ऋण योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। समूह को ऋण उपलब्ध कराया गया और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 10 हजार रुपये का व्यक्तिगत ऋण मिला। समय पर ऋण चुकाने के बाद उन्हें 50 हजार रुपये तक का ऋण भी आसानी से प्राप्त हो गया। आज समूह की महिलाएं मशरूम, अचार, पापड़, बड़ी सहित अनेक खाद्य उत्पाद तैयार कर रही हैं। स्थानीय बाजार में इन उत्पादों को अच्छी पहचान मिल रही है और ग्राहकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। इससे महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है और उनके परिवारों के रहन-सहन में सकारात्मक बदलाव आया है।

महिलाओं की सफलता बनी प्रेरणा

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से जुड़ी इन महिलाओं की सफलता यह साबित करती है कि सही मार्गदर्शन, सामूहिक प्रयास और वित्तीय सहायता मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आज शीला, रानी और उनके समूह की अन्य सदस्य न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि आसपास की महिलाओं को भी स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इन स्व-सहायता समूहों की कहानी महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत और सामुदायिक विकास का एक सफल उदाहरण बनकर उभरी है। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर ये महिलाएं आज अपने परिवारों की आर्थिक आधारशिला मजबूत करने के साथ-साथ समाज में नई पहचान भी स्थापित कर रही हैं।

बालाघाट में जिला सेन समाज द्वारा सामाजिक सम्मेलन के साथ किया गया प्रतिभावान विद्यार्थीयों का सम्मान..

समाज को संगठित होने का किया आहवान..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट के होटल शीतल पैलसे में जिला सेन समाज बालाघाट के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 10 वीं व 12 वीं बोर्ड परीक्षा में 70 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने प्रतिभा सम्मान समारोह आज 14 जून रविवार को समारोहपूर्वक तथा सामाजिक सम्मेलन के साथ आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, विधायक वैशाली नगर भिलाई रीकेश सेन, भारतीय सेन समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष रामस्वरूप सेन, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा उपाध्यक्ष जमना सेन, नपाध्यक्ष रायसेन श्रीमती सविता सेन, युवा सेन समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष भोला सेन व कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में जिला सेन (नाई) समाज अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास सहित अन्य उपस्थित रहे। इस दौरान अतिथियों ने समाज के विकास व उत्थान के लिए संगठित होकर आपस में मिल-जुलकर कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ते जा रहा है। अब समाज के लोग नौकरी व राजनीति सहित विभिन्न गतिविधियों भी आगे आ रहे है। अतिथियों द्वारा सभी प्रतिभावान बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस दौरान संत श्री सेन जी महाराज की जन्मस्थली बांधवगढ़ जिला उमरिया म.प्र में संत सिरोमणि सेन महाराज का भव्य मंदिर निर्माण कर उसे तीर्थस्थल बनाए जाने की भी मांग रखी गई। मंच का सफल संचालन डॉ. पिताम्बर उरकुड़े एवं श्रीमती शारदा फूलबांधे द्वारा किया गया।

इस संबंध में जिला सेन समाज बालाघाट के अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास ने बताया कि हर वर्ष संगठन द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने व शिक्षा की ओर समाज अग्रसर हो इस मंशा से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा विभिन्न गतिविधियों में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर कार्य करने वाले सामाजिकजनों का भी सम्मान किया जाता है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 10 वीं व 12 वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले बच्चों सहित सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों सहित अन्य क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले करीब सैकड़ा भर प्रतिभावानों का सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों का उत्साह व हौंसला बुलंद होता है। इस कार्यक्रम में बालाघाट जिला सहित अन्य जिले के प्रतिभावान व स्वजातीयजन काफी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला सेन समाज अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, महासचिव डॉ. पिताम्बर उरकुड़े, सचिव राजेन्द्र श्रीवास, कोषाध्यक्ष भोजराज सेनभक्त, प्रवक्ता राजन भारद्वाज, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोज पारधी, केश शिल्पी प्रकोष्ठ अध्यक्ष भेजनलाल सराटे, नगर अध्यक्ष डॉ. रवि श्रीवास, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती सविता मधुकर, नगर अध्यक्ष डॉ. श्रीमती पूर्णिमा भारद्वाज, उपाध्यक्ष डी.आर सिवनकर, आत्माराम चन्ने, सुभाष मधुकर, शरद लांझेवार, बलदेव कड़वे, सहसचिव मनोज वाट, आलोक सेन, उत्तम कटरे, संतोष श्रीवास सहित समाज के अन्य प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

बालाघाट में धुमधाम से निकाली जायेगी भगवान जगन्नाथ रथयात्रा.. तैयारीयों को लेकर हुई बैठक

जगप्रेरणा बालाघाट।

उड़ीसा के जगन्नाथपुरी की तरह ही बालाघाट में भी भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा धुमधाम से निकालने एवं तैयारियों को अंजाम देने के लिये आज 14 जून को सर्किट हाऊस में इस्कॉन संस्थान और अन्य हिन्दु संगठनों की बैठक आयोजित

की गई, जिसमें आयोजन को भव्य बनाने चर्चा की गई। बैठक के उपरांत इस्कॉन संस्था बालाघाट के संचालक रत्नभूषण दास ने बताया कि बालाघाट में जगन्नाथ रथयात्रा के आयोजन का यह तीसरा वर्ष है।

बैठक में प्रमुख रुप से अभय सेठिया, महेंद्र सुराना, लता एलकर, मीना चावड़ा, श्याम कौशल, पंकज जैन, अमर सिंह ठाकुर उपस्थित थे।

बोले रमेश रंगलानी..

इस्कॉन संस्था के संरक्षक एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी ने मीडिया को बताया कि इस बार यात्रा के लिए भव्य सजावट के साथ आकर्षक रथ बालाघाट पहुँच रहा है। 16 जुलाई को शाम 5 बजे नए श्रीराम मंदिर के सामने से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाओं के साथ रथयात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा नए श्रीराम मंदिर से शुरू होकर हनुमान चौक, महाराणा प्रताप चौक, सुभाष चौक, महावीर चौक, गुजरी चौक, काली पुतली चौक होते हुए सिंधु भवन पहुँचेगी। सिंधु भवन में भगवान जगन्नाथ का पूजन, महाआरती, 56 भोग और कथा वाचन होगा, जिसके बाद भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।

बोले रत्नभूषण..

इस्कॉन के संचालक रत्नभूषण दास ने बताया कि 29 जून को भगवान जगन्नाथ का अभिषेक किया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अभिषेक के बाद भगवान 15 दिनों तक बुखार में रहेंगे। इसके बाद 16 जुलाई को वे अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भक्तों को दर्शन और आशीर्वाद देने के लिए रथयात्रा पर निकलेंगे। जगन्नाथ पुरी में इस यात्रा में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

जग प्रेरणा
खेल मनोरंजन
खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

धीरज और कुमकुम ने अंताल्या में ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर रिकर्व मिश्रित टीम स्वर्ण जीता..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारतीय रिकर्व तीरंदाजों ने विश्व स्तर पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जब रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण तीन में ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम मोहोद ने ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में किम जे देओक और ओह ये जिन को 5-1 (37-36, 37-36, 39-39) से हराया। उन्होंने दुनिया की सबसे कामयाब जोड़ियों में से एक के खिलाफ गजब का संयम और जज्बा दिखाया। सत्रह साल की कुमकुम ने कहा कि उन्होंने विरोधी के बजाय प्रक्रिया पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे खुद पर पूरा भरोसा था। मैंने बस प्रक्रिया पर ध्यान दिया और इस बारे में नहीं सोचा कि मेरे सामने कौन खड़ा है।' कुमकुम ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने शंघाई की तुलना में आज बेहतर निशाने लगाए लेकिन निश्चित रूप से वहां मिले स्वर्ण पदक ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया।'

यह दो महीने में दक्षिण कोरिया पर भारत की दूसरी जीत है और इसने तीन महीने बाद होने वाले एशियाई खेलों से पहले रिकर्व टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया है। पिछले महीने शंघाई विश्व कप में दीपिका कुमारी, कुमकुम और अंकिता भकत की महिला तिकड़ी ने सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया की टीम को चौंकाते हुए स्वर्ण पदक जीता था।

चौबीस साल के धीरज और 17 साल की कुमकुम पर कोरियाई टीम के खिलाफ खेलने का कोई दबाव नहीं दिखा। कोरियाई टीम में किम शामिल थे जो तोक्यो ओलंपिक में आन सान के साथ मिश्रित टीम स्वर्ण पदक विजेता के अलावा पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली दक्षिण कोरियाई पुरुष टीम के सदस्य भी रहे हैं।

धीरज और मौजूदा सत्र में विश्व कप में पदार्पण करने वाली कुमकुम ने पूरे मुकाबले में धैर्य बनाए रखा। उन्होंने कोरियाई खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती दी और दबाव में निर्णायक निशाने लगाए।

पेरिस ओलंपियन और दुनिया के 16वें नंबर के तीरंदाज धीरज ने मुकाबले के आखिरी तीर पर परफेक्ट 10 के स्कोर से भारतीय जोड़ी की जीत सुनिश्चित की। कुल मिलाकर दोनों ने तीन-तीन बार 10 का स्कोर किया। कुमकुम ने तीन बार नौ अंक भी जुटाए जबकि धीरज ने दो बार नौ और एक बार आठ अंक पर निशाना लगाया।

दोनों तीरंदाजों का यह विश्व कप मिश्रित टीम स्पर्धा का पहला स्वर्ण पदक है। वर्ष 2024 में अंकिता भकत और 2025 में भजन कौर के साथ मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतने वाले धीरज ने अंततः स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कुमकुम ने लगातार दूसरी बार विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता। वह शंघाई में जीत हासिल करने वाली भारत की महिला रिकर्व टीम का हिस्सा थीं और चीन के खिलाफ शूट ऑफ में जीत दिलाने वाला तीर चलाया था।

संयोग से विश्व कप चरण में पर भारत का पिछला रिकर्व मिश्रित टीम स्वर्ण भी 2022 में अंताल्या में ही आया था जब रिद्धि फोर और तरुणदीप राय ने शूट ऑफमें ग्रेट ब्रिटेन की ब्रायोनी पिटमैन और एलेक्स वाइज को हराया था। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की जब दिग्गज किम ने सिर्फ सात और ओह ने नौ अंक हासिल किए। कोरिया ने शुरुआती दो तीर से 16 अंक बनाए। कुमकुम ने नौ अंक से शुरुआत की और धीरज ने आठ अंक बनाए। दूसरे प्रयास में किम के 10 और ओह ने नौ अंक के साथ वापसी करते हुए कुल स्कोर 35 अंक किया।

इसके बाद कुमकुम ने नौ और धीरज ने 10 अंक हासिल किए जिससे उनका स्कोर 36 हो गया। बाद में हुई माप में कुमकुम के तीर के अंक नौ से बढ़कर 10 हो गए जबकि किम के शुरुआती तीर के अंक आठ कर दिए गए जिससे भारत ने 37-36 से सेट जीत लिया और 2-0 की बढ़त बना ली। दूसरे सेट में कोरियाई टीम दो बार नौ अंक से शुरुआत की जबकि भारतीय तीरंदाजों ने भी दो बार नौ अंक से 18 अंक जुटाए। किम ने दूसरे प्रयास में भी नौ अंक हासिल किए जबकि ओह ने भी इतने ही अंक के साथ कुल स्कोर 36 हो गया।

इसके बाद कुमकुम ने नौ अंक हासिल किए जिससे धीरज को सेट जीतने के लिए परफेक्ट 10 अंक की जरूरत थी। सेना के तीरंदाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अधिकतम अंक जुटाए जिससे भारत ने दूसरे सेट 37-36 से जीतकर बढ़त 4-0 कर दी। स्वर्ण पदक पक्का करने के लिए भारत को सिर्फ एक सेट ड्रॉ कराने की जरूरत थी। तीसरे सेट में किम और ओह ने दो बार 10 अंक हासिल करके अच्छी शुरुआत की जबकि कुमकुम ने 10 और धीरज ने नौ अंक जुटाए।

किम ने दूसरे प्रयास में फिर से 10 का स्कोर किया लेकिन ओह नौ अंक ही जुटा सकीं जिससे कोरिया का कुल स्कोर 39 रहा। भारत का स्कोर पहले दो तीर के बाद 19 था लेकिन दबाव के बावजूद कुमकुम ने 10 का स्कोर किया और ऐसा लगा कि धीरज का तीर नौ अंक पर लगा लेकिन जांच के बाद उसे 10 अंक कर दिया गया और भारत ने 39-39 के स्कोर के साथ सेट बराबर करके खिताब जीत लिया।

अपनी युवा साथी के बारे में धीरज ने कहा, 'सच कहूं तो जब मैं उसके साथ खेलता हूं तो उससे बहुत कुछ सीखता हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं अपना अनुभव तो साझा करता ही हूं लेकिन उसके निडर रवैये से और भी अधिक सीखता हूं। वह इस सोच के साथ निशाना लगाती है कि सामने कौन है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'

धीरज ने कहा, 'हमारा टीम मंत्र है - 'जब तक खेल खत्म नहीं हो जाए तब तक हार नहीं माननी चाहिए।' हमने आखिरी तीर तक संघर्ष किया। हम आगे थे या पीछे इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। हमने सिर्फउन चीजों पर ध्यान दिया जो जरूरी थीं। यह पूरी तरह से टीम के बीच तालमेल की बात थी।'

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने अपना वादा किया पूरा, 180 बच्चों को दी स्कॉलरशिप, शेयर किए छात्रों का नाम..

डेस्क जगप्रेरणा।

साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने शादी के बाद एक नेक काम किया है, जिसकी हर तरफखूब चर्चा हो रही है। तेलंगाना में स्टूडेंट्स के लिए एक एजुकेशनल पहल की घोषणा करने के कुछ

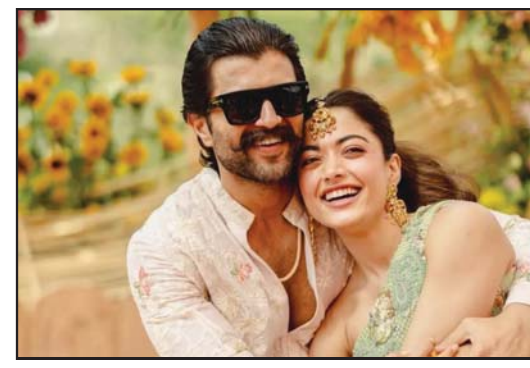

महीनों बाद इस सुपरहिट जोड़ी ने अब सरकारी स्कूलों के स्टूडेंट्स की मदद करने के मकसद से इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। इस बात की जानकारी कपल ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

रश्मिका और विजय ने शादी के बाद किया नेक काम..

रविवार, 14 जून 2026 को विजय ने सोशल मीडिया पर एक अपडेट शेयर किया। वे थुम्मनपेटा जा रहे थे, जो उनके पिता का जन्मस्थान है। एक्टर ने बताया कि वे और रश्मिका उस सपने को पूरा करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं, जिसके बारे में उन्होंने इस साल की शुरुआत में बात की थी।

एक्टर ने बताया कि तेलंगाना के अचमपेट मंडल में 9वीं और 10वीं क्लास के मेहनती स्टूडेंट्स को हम इनाम देंगे और स्कॉलरशिप भी देने वाले हैं। इस बारे में ङ्ग पर घोषणा करते हुए विजय ने लिखाः

रश्मिका-विजय ने 180 बच्चों की पढ़ाई की ली जिम्मेदारी..

रश्मिका ने भी विजय की पोस्ट को रीशेयर करके और रेड हार्ट इमोजी जोड़कर अपनी खुशी जाहिर की। यह पहल फूरवरी में शुरू हुई थी, जो उदयपुर में कपल की शादी के कुछ समय बाद की बात है। उस समय विजय और रश्मिका ने देवरकोंडा फाउंडेशन के जरिए थुम्मनपेटा के 44 सरकारी स्कूलों में 9वीं और 10वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स की पढ़ाई में मदद करने का फैसला किया था।

इस पहल से आर्थिक तंगी की वजह से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को अपनी पढ़ाई पूरी करने का मौका मिलेगा। इसमें 180 बच्चों का नाम शामिल है, जिनका नाम कपल ने शेयर किए हैं।

रश्मिका-विजय की तीसरी फिल्म..

इस कपल की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो विजय और रश्मिका आने वाली पीरियड ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में एक साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' जैसी सफल फिल्मों के बाद उनकी तीसरी साथ में फिल्म होगी। शादी के बाद यह उनका पहला प्रोजेक्ट भी होगा।

भारती सिंह पर चला जादू, आंख खोलते ही भूलीं गिनती, 1-2 काउंट करते-करते निकले आंसू, सेट पर छा गया सन्नाटा..

डेस्क जगप्रेरणा।

लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3 इन दिनों अपने मजेदार एपिसोड की वजह से खूब चर्चा में है। अपनी फनी हरकतों के कारण इस शो की सेलिब्रिटी जोड़ियां भी सोशल मीडिया पर जबरदस्त सुर्खियां बटोर रही हैं।

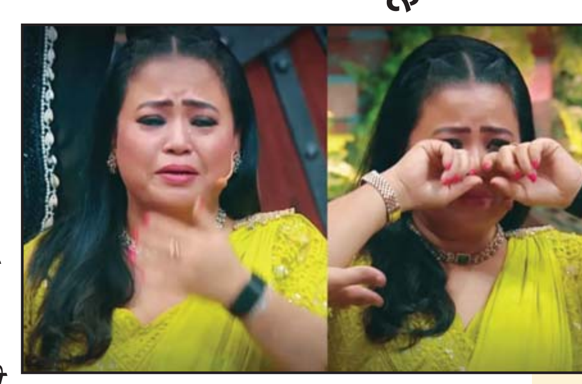

कलर्स टीवी पर प्रसारित होने वाला ये लोकप्रिय कॉमेडी-कुकिंग रियलिटी शो अब होस्ट भारती सिंह की वजह से चर्चा में आ गया है। 'लाफ्टर शेफ्स 3' का नया प्रोमो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें शो के दौरान भारती सिंह पर एक मैजिक किया गया और वह गिनती भूल गईं। इस मैजिक ट्रिक के बाद वह जोर-जोर से रोने लगी और सेट पर मौजूद सभी लोग हैरान रह गए।

भारती सिंह कैसे भूल गईं गिनती..

कॉमेडी-कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स 3' में एक हैरान कर देने वाले मैजिक ट्रिक का हिस्सा बनाने के बाद कॉमेडियन भारती सिंह पछताना पड़ा, क्योंकि आंखें खुलते ही वह गिनती भूल गईं। जी हां, शो में कृष्णा अभिषेक ने जादूगर यानी इंडियन मेंटलिस्ट से भारती वह जादू करने को कहा और जैसे ही उन्होंने भारत की 'लाफ्टर क्वीन' पर मैजिक किया वह 1, 2, 4, 5, 6 बोलने की कोशिश करती है,

लेकिन हर बार 3 भूल जाती थीं। इसके बाद वह परेशान हो गईं और सेट पर रोने लगी। कृष्णा और अभिषेक उन्हें इस हालत में देख हैरान हो गए और भारती को शांत करने की कोशिश की। मेकर्स ने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, 'होगा लाफ्टर शेफ्स में मजा दोगुना, जब भारती के ऊपर मंडराया खतरा! देखिए **#LaughterChefs-** अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3, हर शनिवार-रविवार रात 9 बजे सिर्फ **Colors** और **JioHotstar** पर।'

भारती सिंह को देख हंसना भूल गए कृष्णा और अभिषेक..

वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे जादूगर ने उनसे अपनी आंखें बंद करने और कुछ निर्देशों का पालन करने के लिए कहा। हालांकि, जब भारती ने अपनी आंखें खोलीं तो वह कन्फ्यूज्ड दिखीं और उन्हें आसान नंबर भी याद नहीं आ रहे थे। गिनती करना भी भूल गई थीं। 1, 2, 4, 5, 6 जैसे नंबर बोलने की कोशिश करते हुए वह रो दी। उनको रोता देख सेट पर मौजूद सभी लोगों कीं हंसी बंद हो गई, जिसमें कृष्णा अभिषेक और अभिषेक कुमार भी शामिल थे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026, डे4: सुपर संडे को जर्मनी की कुराकाओ से टक्कर, जापान के सामने नीदरलैंड..

डेस्क जगप्रेरणा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच हर दिन के साथ बढ़ता ही जा रहा है। टूर्नामेंट के चौथे दिन फुटबॉल फैंस को कई बड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे, जहां एक तरफ चार बार की चैंपियन जर्मनी मैदान में उतरेगी, वहीं दूसरी ओर नीदरलैंड और जापान के बीच हाई-वोल्टेज भिड़ंत होगी।

इसके अलावा आइवरी कोस्ट बनाम इक्काडोर और स्वीडन बनाम ट्यूनीशिया मुकाबले भी फैंस की धड़कनें बढ़ाने वाले हैं।

जर्मनी करेगी अभियान का आगाज..

दिन का पहला बड़ा मुकाबला जर्मनी और कुराकाओ के बीच खेला जाएगा। जर्मनी इस टूर्नामेंट में पिछली दो वर्ल्ड कप में मिली निराशा को भुलाकर दमदार वापसी करने को उत्सुक है। 2014 में चैंपियन बनने के बाद टीम लगातार दो वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी। ऐसे में इस बार जर्मन टीम पर शानदार शुरुआत का दबाव रहेगा। वहीं, कुराकाओ पहली बार फीफा वर्ल्ड कप में खेल रहा है। करीब 1.56 लाख आबादी वाला यह छोटा देश पहली बार फुटबॉल वर्ल्ड कप खेल रहा है।

जापान की नीदरलैंड से टक्कर..

इसके बाद दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला नीदरलैंड और जापान के बीच होगा। तीन बार वर्ल्ड कप फाइनल खेल चुकी डच टीम एक बार फिर खिताब की तलाश में उतरेगी। नीदरलैंड की टीम 1974 से अब तक खेले लगभग हर वर्ल्ड कप में नॉकआउट स्टेज तक पहुंची है। दूसरी ओर, जापान एशिया की सबसे मजबूत टीमों में से है। जापान की टीम लगातार आठवें वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रही है। 1998 में पहली बार वर्ल्ड कप खेलने के बाद से जापान ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। ऐसे में यह मुकाबला काफी कांटे का रहने की उम्मीद है।

आइवरी कोस्ट और इक्काडोर होंगे आमने-सामने..

ग्रुप-ई के एक अन्य मुकाबले में आइवरी कोस्ट का सामना इक्काडोर से होगा। इक्काडोर लगातार दूसरे और कुल पांचवें वर्ल्ड कप में खेल रहा है। साउथ अमेरिकी क्वालिफायर में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के बाद दूसरा स्थान हासिल किया था। वहीं, आइवरी कोस्ट 12 साल बाद वर्ल्ड कप में वापसी कर रहा है। अफ्रीकी टीम ने क्वालिफिकेशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे टिकट हासिल किया। 2014 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही आइवरी कोस्ट की टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। दिन के आखिरी मुकाबले में स्वीडन और ट्यूनीशिया की टीमें आमने-सामने होंगी। ट्यूनीशिया सातवीं बार वर्ल्ड कप में खेल रहा है और लगातार तीसरी बार टूर्नामेंट का हिस्सा बना है। हालांकि टीम आज तक ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सकी है। दूसरी तरफ स्वीडन अपना 13वां फीफा वर्ल्ड कप खेल रहा है। टीम 1994 में अमेरिका में हुए वर्ल्ड कप में तीसरे स्थान पर रही थी और इस बार भी वैसा ही प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद करेगी।

लिव-इन में रहने का मिला फायदा! अली गोनी संग रिश्ते पर जैस्मिन भसीन ने तोड़ी चुप्पी, बताया कैसे मजबूत हुई बॉन्ड..

डेस्क जगप्रेरणा।

पॉपुलर टीवी स्टार कपल जैस्मीन भसीन और अली गोनी लंबे समय से लिव-इन में साथ रह रहे हैं, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस भी छिड़ गई थी। उनसे हर इंटरव्यू और पॉडकास्ट में पूछा जाता है कि वे कब शादी करेंगे।

हालांकि, उन्होंने इन सवालों का कभी साफ तौर पर जवाब नहीं दिया और शादी करने का फैसला लेने से पहले दोनों ने एक-दूसरे को और समय देने का फैसला किया, लेकिन जैस्मीन ने अब बताया है कि अली गोनी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने से उनका रिश्ता और मजबूत हुआ है। एक्ट्रेस ने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के कई फायदे गिनाए।

लिव-इन में रहने का अली-जैस्मिन को मिला फायदा..

'टाइम्स ऑफ इंडिया' को दिए एक इंटरव्यू में जैस्मीन भसीन ने अली गोनी के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। जैस्मीन और अली से हर दिन उनकी शादी के बारे में सवाल किए जाते हैं और यह उनके लिए कोई नई बात नहीं है। रिश्ते में आगे बढ़ाने से पहले एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने के लिए दोनों ने साथ रहने का फैसला किया। जैस्मीन ने कहा कि अली के साथ उनकी बॉन्ड और भी मजबूत हो गई है।

'हमने कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट किया और अब एक साल से ज्यादा समय से हम लिव-इन में रह रहे हैं। हमने यह कदम इसलिए उठाया, क्योंकि इससे हमें एक-दूसरे को समझने और रिश्ते में कम्फर्ट होने का मौका मिला। हमारे लिए अपनी आपसी समझ, तालमेल और केमिस्ट्री के बारे में जानना जरूरी है।'

अली गोनी संग बॉन्डिंग पर कही बड़ी बात..

टीवी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन ने बताया कि अली के साथ उनका रिश्ता बहुत अच्छा चल रहा है। वे दोनों खुश हैं, एक-दूसरे को समझते हैं और उन्होंने बताया कि उनका रिश्ता पहले से कई ज्यादा मजबूत हो गया है। जैस्मिन ने आगे कहा कि वह और अली असल में इस वक्त का जमकर मजा ले रहे हैं। जैस्मिन भसीन ने बताया कि उनके माता-पिता को इस रिश्ते को स्वीकार करने में समय लगा। ऐसा इसलिए था, क्योंकि वह और अली दोनों ही अलग-अलग धर्म से हैं।

जैस्मिन भसीन का वर्क फ्रंट..

जैस्मिन भसीन अभी 'खतरों के खिलाड़ी 18' की शूटिंग में बिजी है। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपने दोस्तों से खतरों के खिलाड़ी के बारे में ज्यादा बात नहीं की, क्योंकि वे उन्हें डरा देते। उन्होंने अपने पिछले एक्सपीरियंस को याद किया और बताया कि जब वह पहली बार यह शो कर रही थीं तो उन्होंने पूरे जोश के साथ इसके लिए हां कहा था। कई सालों तक डेली टीवी सोप्स में काम करने के बाद जैस्मिन ने अपने फिक्शन टीवी शो से दूरी बना ली है।

पारुल चौधरी ने 'मीटिंग निकाइया' में अपना ही रिकॉर्ड बेहतर करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारत की पारुल चौधरी ने फ्रांस के नीस में आयोजित 'मीटिंग निकाइया 2026' प्रतियोगिता में महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15:04.26 का नया निजी सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर किया और दूसरा स्थान हासिल किया।

भारत की यह एथलीट इथियोपिया की बेरेका सेनिया मोहम्मद के पीछे रहीं जिन्होंने 15:03.85 के मीट रिकॉर्ड से पहला स्थान हासिल किया। फ्रांस की एलेसिया जार्बो 15:16.83 के सत्र के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने ट्वीट किया, 'पारुल चौधरी ने 'मीटिंग निकाइया 2026' में 15:04.26 का शानदार समय निकालते हुए दूसरा स्थान हासिल किया और नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।' इस तरह पारुल ने 5000 मीटर दौड़ में एएफआई के एशियाई खेल 2026 के लिए क्वालीफाइंग मानक (15:36.58 सेकंड) को पार कर लिया है। हांग्झोउ एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन 31 वर्षीय पारुल के नाम 3000 मीटर स्टीपलचेज का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी दर्ज है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

लेख, लघु कथा,
कविताएं एवं साहित्य
सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

अमेरिका-ईरान तनाव, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और भारतीय शेयर बाजार: वैश्विक अनिश्चितता के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था की परीक्षा -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में वित्तीय बाजार केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि भू- राजनीतिक घटनाओं से भी संचालित हो रहे हैं।अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव तथा युद्धविराम एवं संभावित समझौते को लेकर परस्पर विरोधी दावों ने विश्व निवेशकों को असमंजस की स्थिति में ला खड़ा किया है। एक ओर अमेरिका बार-बार यह संकेत दे रहा है कि 14 जून 2026 को शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना है,वहीं दूसरी ओर ईरान इसे केवलप्रारंभिक वार्ता बताते हुए अपनी शर्तें पूरी न होने की बात कह रहा है। ईरान के भीतर भी संभावित समझौते के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं। इस अनिश्चित वातावरण का सीधा प्रभाव वैश्विक पूंजी प्रवाह,निवेशक विश्वास और शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के 14 जून 2026 को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून 2026 के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों से 62,853 करोड़ रूपए की भारी निकासी की है। यह केवल भारतीय बाजार की कहानी नहीं बल्कि वैश्विक पूंजी के बदलते रुझानों, जोखिम की बढ़ती धारणा और निवेशकों की सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर वापसी का संकेत है। मैं एडवोकेशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, विदेशी निवेशकों की यह बिकवाली किसी एक कारण का परिणाम नहीं है,बल्कि अनेक वैश्विक और घरेलू कारकों का संयुक्त प्रभाव है।सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था की अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति मानी जा रही है। अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और वहां ब्याज दरों के उच्च स्तरपर बने रहने से वैश्विक निवेशकों को सुरक्षित और निश्चित प्रतिफल के अवसर उपलब्ध हो रहेहैं।सामान्यतःजब अमेरिका में जोखिम-रहित प्रतिफल बढ़ता है तो उभरते बाजारों, विशेषकर भारत जैसे देशों में निवेश का आकर्षण कुछ कम हो जाता है।

साथियों, विदेशी फंड प्रबंधक जोखिम लेकर उभरते बाजारों में निवेश करने के बजाय अमेरिकी सरकारी बॉन्ड तथा डॉलर आधारित परिसंपत्तियों में धन लगाना अधिक सुरक्षित समझते हैं। परिणामस्वरूप भारत सहित कई उभरते बाजारों से पूंजी निकासी तेज हो जाती है।

दूसरा बड़ा कारण पश्चिम एशिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता है। अमेरिका-ईरान तनाव, तेल आपूर्ति मार्गों को लेकर चिंताएं, ऊर्जा कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव और वैश्विक व्यापार पर पड़ने वाले प्रभावों ने निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को कम किया है। जब भी वैश्विक स्तर पर युद्ध या संघर्ष की आशंका बढ़ती है, निवेशक तथाकथित ÷सेफहेवन÷ परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। अमेरिकी डॉलर, सोना और विकसित देशों के सरकारी बॉन्ड ऐसे समय में अधिक आकर्षक बन जाते हैं।इसके विपरीत उभरते बाजारों में निवेश अपेक्षाकृतजोखिमपूर्ण माना जाता है। यही कारण है कि जून के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों से भारी विदेशी पूंजी निकासी देखने को मिली

साथियों एक महत्वपूर्ण कारण यह भी है कि भारतीय शेयर बाजार का ऊंचा मूल्यांकन और मुनाफावसूली है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती, कॉर्पोरेट आय में वृद्धि, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार और घरेलू निवेशकों की सक्रिय भागीदारी के कारण भारतीय बाजारों में उल्लेखनीय तेजी देखी गई। अनेक प्रमुख सूचकांक ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर पहुंचे। ऐसी स्थिति में विदेशी निवेशकों ने अपने निवेश पर लाभ सुरक्षित करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर मुनाफावसूली की। वैश्विक फंड प्रबंधक अक्सर उन बाजारों में लाभ बुक करते हैं जहां उन्हें लगता है कि मूल्यांकन काफी ऊंचा हो चुका है और आगे की वृद्धि सीमित हो सकती है। भारतीय बाजार में हालिया बिकवाली को इसी दृष्टिकोण से भी देखा जा रहा है।इसके अतिरिक्त भारतीय रुपये की कमजोरी भी विदेशी निवेशकों के लिए चिंता का विषय रही है। यदि कोई विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में लाभ कमाता है लेकिन उसी अवधि में रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले घट जाता है, तो वास्तविक डॉलर आधारित रिटर्न कम हो जाता है। यही कारण है कि मुद्रा जोखिम भी विदेशी निवेशकों के निर्णयों को प्रभावित करता है। 2026 में रुपये की कमजोरी ने विदेशी निवेशकों की चिंता को और बढ़ाया है।

साथियों एनएसडीएल के आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। वर्ष 2026 में फरवरी को छोड़कर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक हर महीने भारतीय शेयरों के शुद्ध विक्रेता रहे हैं। जनवरी में उन्होंने लगभग 35,962 करोड़ रूपए की निकासी की।फरवरी में स्थिति थोड़ी सुधरी और लगभग 22,615 करोड़ रूपए का निवेश आया, जो 17 महीनों में सबसे बड़ा मासिक प्रवाह था।

लेकिन मार्च में रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रूपए की बिकवाली हुई। अप्रैल में 60,847 करोड़ रूपए और मई में 32,963 करोड़ रूपए की निकासी दर्ज की गई। जून के पहले पंद्रह दिनों में ही 62,853 करोड़ रूपए की बिकवाली हो चुकी है। इसके साथ ही वर्ष 2026 में कुल विदेशी निकासी लगभग 2.87 लाख करोड़ रूपए तक पहुंच गई है, जो पूरे वर्ष 2025 की कुल निकासी 1.66 लाख करोड़ से भी कहीं अधिक है। यह आंकड़े डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से उठाए गए हैं।

साथियों यह आंकड़े दर्शाते हैं कि विदेशी निवेशकों का रुख केवल अल्पकालिक प्रतिक्रिया नहीं बल्कि व्यापक वैश्विक रणनीतिक पुनर्संतुलन का हिस्सा है। हाल के महीनों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कंपनियों और अमेरिकी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारी निवेश आकर्षित हुआ है। अनेक वैश्विक फंड उभरते बाजारों से धन निकालकर अमेरिकी तकनीकी कंपनियों और एआई से संबंधित अवसरों में निवेश कर रहे हैं।

इससे भारत सहित कई देशों के शेयर बाजारों पर दबाव बना है।हालांकि विदेशी निवेशकों की इस लगातार बिकवाली के बावजूद भारतीय शेयर बाजार पूरी तरह से धराशायी नहीं हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों और खुदरा निवेशकों की मजबूत भागीदारी है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में म्यूचुअल फंड निवेश, व्यवस्थित निवेश योजना, पेंशन फंड और बीमा कंपनियों के निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

घरेलू निवेशकों ने विदेशी निवेशकों द्वारा बेचे जा रहे शेयरों को बड़े पैमाने पर खरीदा है। यही कारण है कि बाजार में अस्थिरता तो बढ़ी है, लेकिन व्यापक गिरावट नहीं आई। भारतीय पूंजी बाजार की यह संरचनात्मक मजबूती पिछले दशक की तुलना में कहीं अधिक सशक्त दिखाई देती है।

साथियों भारतीय अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से यह स्थिति एक महत्वपूर्ण संकेत भी देती है। पहले विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सीधा प्रभाव बाजार पर गंभीर रूप से पड़ता था, लेकिन अब घरेलू बचत का बड़ा हिस्सा वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर आ रहा है। इससे भारतीय बाजारों की विदेशी पूंजी पर निर्भरता धीरे-धीरे कम हो रही है। हालांकि विदेशी निवेश अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन घरेलू निवेशकों की बढ़ती भूमिका बाजार को स्थिरता प्रदान कर रही है।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो विदेशी पूंजी का निरंतर बहिर्वाह चालू खाते के घाटे, रुपये की विनिमय दर और पूंजी बाजार की तरलता पर प्रभाव डाल सकता है। इसलिए भारतीय रिजर्व बैंक और नीति निर्माता विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए विभिन्न उपायों पर काम कर रहे हैं। हाल के महीनों में विदेशी मुद्रा प्रबंधन, बॉन्ड बाजार में पहुंच बढ़ाने और विदेशी निवेश नियमों को सरल बनाने जैसे कदम उठाए गए हैं ताकि वैश्विक निवेशकों का विश्वास बना रहे।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की दृष्टि से आने वाले सप्ताह अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाले हैं। अमेरिका-ईरान वार्ता का परिणाम, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति, जापान के केंद्रीय बैंक के निर्णय और वैश्विक आर्थिक वृद्धि के संकेतक पूंजी प्रवाह की दिशा तय करेंगे। यदि पश्चिम एशिया में तनाव कम होता है और तेल कीमतों में स्थिरता आती है तो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह सकारात्मक होगा। वहीं यदि संघर्ष बढ़ता है तो ऊर्जा लागत, मुद्रास्फीति और विदेशी निवेश प्रवाह पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जून 2026 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा की गई 62,853 करोड़ रूपए की भारी बिकवाली केवल भारतीय शेयर बाजार की घटना नहीं है, बल्कि वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में चल रहे व्यापक बदलावों का प्रतिबिंब है।अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती, ऊंची बॉन्ड यील्ड, पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक तनाव, रुपये की कमजोरी, एआई आधारित निवेश अवसरों की ओर वैश्विक पूंजी का झुकाव और भारतीय बाजारों में मुनाफावसूली, इन सभी कारकों ने मिलकर विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार से धन निकालने के लिए प्रेरित किया है।फिर भी घरेलूनिवेशकों की बढ़ती ताकत और भारतीय अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक विकास क्षमता यह संकेत देती है कि यह चुनौती अस्थायी हो सकती है।

आने वाले समय में यदि वैश्विक तनाव कम होता है और निवेशकों का जोखिम लेने का विश्वास लौटता है, तो भारत पुनः विदेशी पूंजी का प्रमुख गंतव्य बन सकता है। फिलहाल यह दौर भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती, घरेलू निवेशकों के विश्वास और आर्थिक लचीलेपन की एक महत्वपूर्ण परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए।

रचनाकार

एडव्होकेट किशन भगनानी गोंदिया

मैं एक दिन

मैं एक दिन सफल
होना चाहती हु
दुनिया में अपनी
पहचान बनाना चाहती हु।
मुझे अपने हौसले
बुलंद रखना है
क्योंकि मुझे अपना
मुकाम हासिल करना है।
बस जन्म से मृत्यु तक
का सफ़र नहीं करना है,
इस दुनिया से कुछ
बड़ा करके जाना है।
चाहे जितनी आए
राहों में परेशानिया
हर मोड़ पर लिख
जाऊंगी नई कहानियां।
देना है हर कदम
पर मूझे उनका साथ
जिन्होंने थामा है
मुश्किलों में मेरा हाथ।
जिस दिन हो
जाऊंगी मैं सफल
हर मुश्किल हो
जाएगी सरल।
एक दिन दुनिया
में मेरा नाम होगा,
वही मेरी मेहनत का
असली इनाम होगा।

माधुरी अक्षय बघेले ढाणा

शब्दवर्गपहेली क्र.- 193

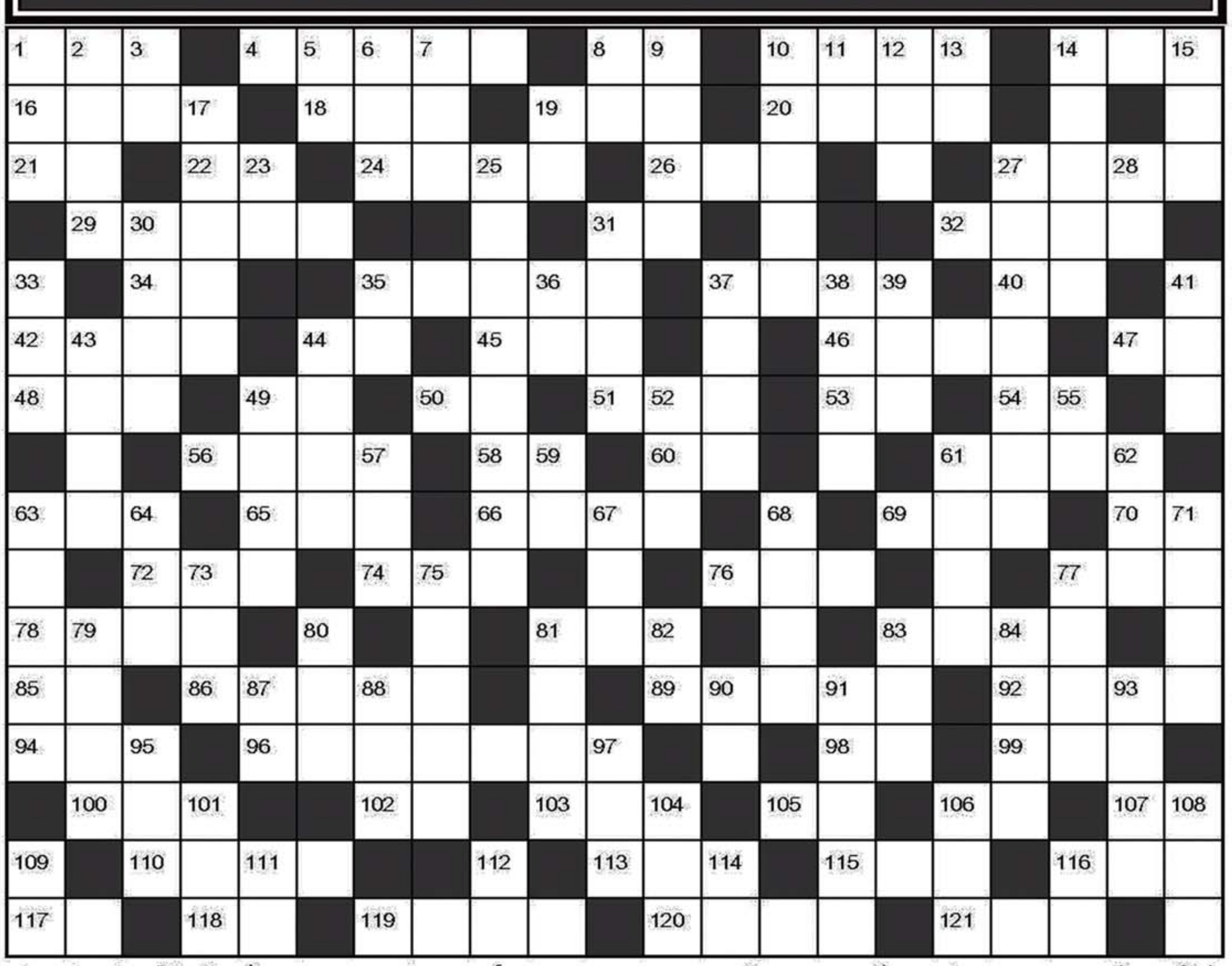

ck;ï lsnk;ï ¼& 1) सबेरा, प्रातःकाल 4) पुरुषार्थ, पुरुषत्व 8) ध्वंस 10) फतेहपुर – सिक्री शहर बसानेवाला एक मुगल सम्राट 14) वाद्य बजानेवाला 16) किसी चीज को अधिक पाने की इच्छा करना 18) गाड़ी आदि खिंचनेवाला या चलानेवाला 19) पांच वर्ष का लड़का 20) बेंत की तरह का पोले डंटल का एक पौधा 21) वायु 22) कार्य, कर्म 24) कोलकाता का पुराना नाम 26) मनुष्य 27) अनश्वर, जिसका नाश न हो 29) सन् 1907 में सूरत में हुये अधिवेशन में कॉंग्रेस मे हुई फूट के कारण बना दल जिसके एक नेता गोपालकृष्ण गोखले थे 31) भक्षण करना 32) पहरेदार 34) परछाई 35) लचीला होने का भाव 37) नाव या जहाज का वह तिकोनी हिस्सा जिससे उसे ठीक दिशा में ले जाया जाता है 40) पश्चात 42) अनोखा काम, करामत 44) धोखा, विश्वासघात 45) चिलमन, आड़ किया हुआ कपड़ा 46) रसयुक्त 47) मंगल, भलाई 48) सामर्थ्य 49) गिला 50) स्त्री का स्वामी, खाविंद 51) लवण, एक खारा पदार्थ 53) अनाज का कण 54) मादकता, कैफ 56) दरवाजा न खुले इसलिये लगाया जानेवाला गुटका 58) स्त्री या स्त्री का (हठ आदि) 60) एक आंख से देखनेवाला 61) नाविन्य, नयापन 63) मुसलमानों का अरबस्थान स्थित एक पवित्र स्थान 65) विघ्न, हस्तक्षेप 66) पान रखने की तश्तरी 69) वर्ष 70) शव, मृतदेह 72) कामुक या व्यभिचारी 74) महाराष्ट्र में बोली जानेवाली एक प्रमुख भाषा 76) महाभारत में दुष्यंत के पुत्र का नाम 77) आकाश 78) शक्तिशाली 81) मुसलमानों का जनानखाना 83) कामना, हसरत 85) गीत, गायन 86) सावधान 89) लगभग 92) हलका ज्वर 94) दिल बहलाना 96) पूर्ववर्ती पुर्तगाल के कब्जे का यह प्रदेश अब भारत का राज्य है 98) 99) दौड़(अं.) 99) दंगा फसाद 100) मंशा, स्थापित 102) युद्ध 103) अरुणता, लाली 105) नासिका 106) छोर, दूसरी ओर का तट, शबाना आझमी को राष्ट्रीय पुरस्कार दिलानेवाली फिल्म 107) सरिता 110) कलाबाजी दिखानेवाला 113) हस्तक्षेप 115) इंदिराजी गांधी के एक पुत्र का नाम 116) रत्न, अंगूठी आदि में जड़ा जानेवाला कीमती पत्थर 117) शिक्षा, दंड 118) सरकारी शुल्क 119) इंद्र का हाथी 120) श्रीकृष्ण का एक नाम, नाट्यकला में पारंगत 121) कोमलता, उग्रता का परित्याग

Åij ls uhps ¼& 1) आपसी समझौता, मेल 2) ताकतवर 3) अधिकार 5) गेंहू की सूजी 6) जलानेवाला 7) अनुकरण 8) पत्र (उर्दू) 9) लजाना 10) लगातार, निरंतर 11) हस्त, हाथ 12) ऊटपटांग बातें करना, बकवास करना 13) बारबार किसी शब्द को उच्चारण करने की क्रिया 14) बहस, चर्चा 15) घड़ा 17) असफल 19) श्वान 23) गन्धयुक्त द्रव जो मस्त हाथी के कनपटियों से बहता है 25) एक भूतपूर्व केन्द्रीय रेल मंत्री जो पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी थे 27) पत्रकार 28) बड़ी नाली 30) पृथ्वी तल का छठा लोक 31) घराना, कुटूंब 33) रुपया, पैसा, राशि 35) 'लगना' का भूतकाल 36) पंख, किन्तु 37) उठाके गिराना, पछाड़ना 38) दुर्घटना 39) जीभ, जिव्हा 41) महाभारत में अभिमन्यु की मां का नाम 43) अनुमति, संमति 44) आग बुझाने का यंत्र 49) उपद्रवी,, शरारती 52) घर, निवासस्थान 55) ठाट, अकड़ 57) एक रत्न का नाम 59) वाहन 61) दिवंगत अभिनेता सुनील दत्त की पत्नी का नाम 62) सरोवर 63) मदद करनेवाला 64) एक प्राचीनकालीन विद्यापीठ 67) निर्णय के लिए अदालत में पेश किया हुआ 68) पकाकर तैयार की हुयी सब्जी 71) प्रायः निंबू या फलों का तैयार किया जानेवाला शीतल पेय 73) परीक्षा, कसौटी 75) श्रीकृष्ण का एक नाम 77) बीच का समय, अवकाश 79) मन के अनुकूल किया जानेवाला काम 80) महाभारत में धृतराष्ट्र के पुत्र 81) हाथ से फेंका जानेवाला बम्ब या गोला 82) विचार, राय 83) वध, हत्या 84) रहनुमा, मागदर्शक (उर्दू) 87) बुराई, 'नेकी' के विरुद्धार्थी शब्द 88) मुंबई का एक प्रमुख उपनगर 90) किस समय 91) कायम 93) प्रस्थान, रवाना 95) सरदार, फिल्म या नाटक का प्रधान पात्र 97) पिता (उर्दू) 101) विवाह विच्छेद 104) नवनीत 106) पवित्र, पुण्यप्रद 108) अल्जेरिया देश की प्रमुख मुद्रा 109) श्रीकृष्ण के मामा 111) मरतबा 112) भगवान, ईश्वर 114) बालों का उलझा हुआ गुच्छा 116) आर्द्रता (जवाब अगले अंक में)

पिछ्ले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

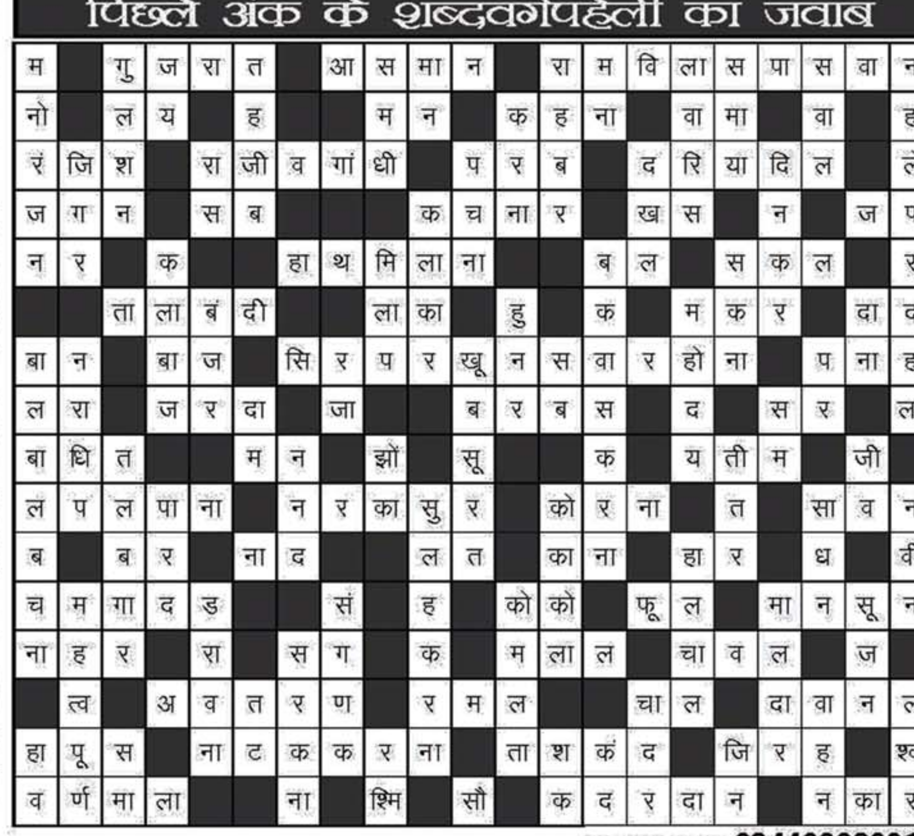

anumeva-08446302691

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

रुपये में उतार-चढ़ाव के पीछे वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार: सीतारमण

बेंगलुरु, (भाषा)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में होने वाले उतार-चढ़ाव कई वैश्विक और घरेलू कारकों से प्रेरित होते हैं। इनमें भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं,

विदेशी पूंजी की आवाजाही और कच्चे तेल, उर्वरक तथा सोने पर भारत की आयात निर्भरता शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये की विनिमय दर को किसी निश्चित स्तर पर बनाए रखने के लिए नहीं, बल्कि बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए ही हस्तक्षेप करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बेंगलुरु के निकट देवनहल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में सीतारमण ने कहा कि विनिमय दरें विभिन्न वैश्विक घटनाक्रमों और बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होती हैं।

सीतारमण ने कहा, ÷जब भी रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव या अस्थिरता आती है, तब भारतीय रिजर्व बैंक बाजार में हस्तक्षेप करता है। उसका उद्देश्य विनिमय दर को किसी निश्चित स्तर पर बनाए रखना नहीं, बल्कि अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करना होता है। आरबीआई बाजार में आकर स्थिति को स्थिर करता है और फिर बाहर हो जाता है। इसके लिए वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करता है। इसलिए वह ऐसा सीमित और आवश्यकता पड़ने पर ही करता है।÷

वित्त मंत्री ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति से जुड़े फैसले, वैश्विक मुद्राओं में उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेश की निकासी जैसे कारक रुपये की विनिमय दर को प्रभावित करते हैं।

उन्होंने कहा, ''रुपये की विनिमय दर और उसमें होने वाला उतार-चढ़ाव कई कारणों से प्रभावित होता है। इनमें वैश्विक अनिश्चितताएं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि या कटौती के संकेत, डॉलर के मुकाबले जापानी येन और दक्षिण कोरियाई वॉन जैसी मुद्राओं में गिरावट शामिल हैं। विभिन्न देशों की मुद्राओं के बीच विनिमय दर अनेक कारकों से निर्धारित होती है।''

सीतारमण ने कहा कि अमेरिका में आर्थिक घटनाक्रमों के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों (एफडीआई) द्वारा मुनाफावसूली कर धन निकालने तथा अन्य बाजारों में अंतरित करने का भी विदेशी मुद्रा भंडार और मुद्रा विनिमय दरों पर असर पड़ता है।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल, उर्वरक और सोने के आयात के लिए भारत को बड़ी मात्रा में डॉलर का भुगतान करना पड़ता है, जिससे विदेशी मुद्रा प्रबंधन का महत्व बढ़ जाता है। उर्वरक सब्सिडी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''कोविड काल से ही हम किसानों को उर्वरक की एक बोरी 300 रुपये में उपलब्ध करा रहे हैं। कोविड के बाद जब इसे विदेशों से आयात किया गया तो एक बोरी की कीमत 3,000 रुपये तक पहुंच गई थी। इसका मतलब है कि सरकार प्रत्येक किसान को प्रति बोरी लगभग 2,700 रुपये तक की सब्सिडी दे रही है।''

कर्नाटक सरकार द्वारा केंद्र पर राज्य को उसका उचित हिस्सा नहीं देने के आरोपों पर सीतारमण ने कहा कि राज्यों को धन का आवंटन केंद्र सरकार नहीं बल्कि वित्त आयोग तय करता है।

उन्होंने कहा, ''इसका सिद्धांत प्रधानमंत्री मोदी या भारत सरकार तय नहीं करती। वित्त आयोग सभी राज्यों का दौरा कर विभिन्न मानकों के आधार पर निर्णय करता है। एक बार निर्णय हो जाने के बाद अगले पांच वर्षों तक केंद्र सरकार को उसी के अनुसार राज्यों को राशि देनी होती है।''

राज्यों को उनके द्वारा दिए गए सभी कर वापस मिलने की दलील को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, ''अगर बेंगलुरु और कर्नाटक कर में योगदान देते हैं और यह उम्मीद करें कि सारा पैसा वापस मिल जाए, तो यह सिद्धांत इस तरह काम नहीं करता।÷

अर्थव्यवस्था पर उन्होंने कहा कि आधिकारिक आंकड़े और वैश्विक संस्थाएं लगातार भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बता रही हैं।

उन्होंने कहा, ''पिछले पांच-छह वर्षों से भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इस वर्ष जारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों में विनिर्माण, कृषि, सेवा, लॉजिस्टिक और परिवहन सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।''

भारत में मेमोरी चिप निर्माण में बढ़ सकता है निवेश, उत्पादन बढ़ाएंगी मौजूदा कंपनियां : वैष्णव

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत में मेमोरी चिप के विनिर्माण के लिए नई कंपनियों द्वारा निवेश किए जाने की संभावना है,

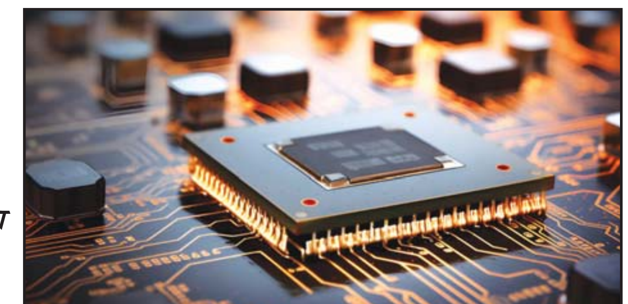

जबकि मौजूदा निवेशक भी इस क्षेत्र में आपूर्ति-मांग के अंतर को कम करने के लिए उत्पादन बढ़ाएंगे। वैष्णव ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मेमोरी कार्ड और उन्नत चिप की मजबूत मांग के कारण वैश्विक आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है और पिछले कुछ तिमाहियों में कीमतों में वृद्धि देखने को मिली है।

इसके चलते विनिर्माता वैश्विक स्तर पर बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए निवेश और उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं। चिप की कीमतों में वृद्धि ने स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की उत्पादन लागत भी बढ़ा दी है।

उन्होंने कहा, ÷निश्चित रूप से मेमोरी विनिर्माण इकाइयों में काफी अधिक निवेश आ रहा है और इसका कारण यह है कि सेमीकंडक्टर उद्योग जिस तेजी से बढ़ा है, उसमें पहली बार कुछ ऐसे कलपुर्जों की भारी कमी देखने को मिल रही है, जिनकी आवश्यकता कृत्रिम मेधा (एआई) डेटा सेंटर और हाई बैंडविड्थ मेमोरी चिप्स में होती है।÷

हाई बैंडविड्थ मेमोरी (एचबीएम) चिप एक उन्नत कंप्यूटर मेमोरी है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से एआई, सुपरकंप्यूटर, डेटा सेंटर और हाई-एंड ग्राफिक्स प्रोसेसिंग में होता है। उन्होंने बताया कि भारत में डेटा सेंटर निवेश जल्द ही 200 अरब डॉलर को पार कर सकता है, जिसके लिए विशाल स्टोरेज क्षमता की आवश्यकता होगी।

मंत्री के अनुसार, वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और मांग के बीच असंतुलन बना हुआ है, जिसे नई उत्पादन इकाइयों की स्थापना से संतुलित किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उच्च बैंडविड्थ मेमोरी चिप का उत्पादन करने वाली कंपनियों की नई इकाइयों ने हाल में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है, जिससे आपूर्ति स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेमोरी क्षेत्र में गंभीर आपूर्ति-मांग असंतुलन बना हुआ है। यह पूछे जाने पर कि क्या इस क्षेत्र में नए निवेश आएंगे या मौजूदा कंपनियां उत्पादन बढ़ाएंगी, वैष्णव ने कहा, ÷ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों ही स्थितियां संभव हैं।÷ उन्होंने कहा कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0' के तहत लगभग 48 स्टार्टअप प्रौद्योगिकी उत्पादों पर काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ÷इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 में डिजाइन सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, जबकि दूसरी सबसे बड़ी प्राथमिकता सेमीकंडक्टर विनिर्माण में उपयोग होने वाली मशीनें होंगी। हम गंभीरता से इस पर विचार कर रहे हैं कि उपकरण निर्माता भारत में आकर उपकरणों का डिजाइन और निर्माण दोनों करें।÷ मंत्री ने कहा कि दशकों के प्रयासों के बाद भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चिप विनिर्माताओं को देश में आकर्षित करने में सफल रहा है और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0 घरेलू सेमीकंडक्टर उद्योग की मजबूत नींव रख रहा है।

अमेरिका - ईरान समझौता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से तय होगी सर्राफा कीमतों की दिशा

नई दिल्ली, (भाषा)।

दुनिया के प्रमुख केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति संबंधी बैठकों, अमेरिका-ईरान वार्ता में प्रगति और कच्चे तेल की कीमतों मे उतार-चढ़ाव के बीच अगले सप्ताह सोने की कीमतें सीमित दायरे में रह सकती हैं। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक ब्याज दर परिदृश्य के संकेतों के लिए बैंक ऑफ जापान, अमेरिकी फेडरल रिजर्व और बैंक ऑफइंग्लैंड की बैठकों के साथ-साथ ब्रिटेन, यूरो क्षेत्र, जर्मनी और जापान के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर बारीक नजर रखी जाएगी।

विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को अंतिम रूप दिया जाना सर्राफा कीमतों के लिए प्रमुख कारक बना रहेगा।

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के ईबीजी-जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, ÷अमेरिका-ईरान समझौते को अंतिम रूप दिए जाने पर करीबी नजर रहेगी। यदि समझौते पर हस्ताक्षर होते हैं तो जोखिम वाली परिसंपत्तियों में तेजी का दौर बढ़ सकता है, जिससे सोने और चांदी को भी बल मिल सकता है। हालांकि, किसी भी तरह का तनाव बढ़ना बाजारों के लिए नकारात्मक होगा।÷

घरेलू बाजार में, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त डिलिवरी वाला सोना वायदा भाव सप्ताह के दौरान 5,066 रुपये अथवा 3.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ लगभग 1.50 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। जुलाई अनुबंध वाली चांदी 2,351 रुपये अथवा करीब एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 2.46 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

एलकेपी सिक्योरिटीज में जिंस एवं मुद्रा शोध विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने कहा, ÷सोने की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई और एमसीएक्स पर अगस्त वायदा अनुबंध का भाव तीन प्रतिशत से अधिक टूटकर 1,48,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक आ गया।÷

उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार को लेकर चिंताओं में कमी और अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर अनिश्चितता के कारण पूरे सप्ताह सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहा।

हालांकि, बाद में निवेशकों की धारणा में सुधार हुआ, जब ऐसी खबरें सामने आईं कि ईरान के खिलाफ तत्काल कोई सैन्य कार्रवाई नहीं होगी। इससे सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी और सर्राफा कीमतों को नुकसान की कुछ भरपाई करने में मदद मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, कॉमेक्स पर सोना का वायदा भाव सप्ताह के दौरान 126.5 डॉलर अथवा करीब तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,238.8 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। वहीं चांदी 1.13 डॉलर अथवा 1.6 प्रतिशत टूटकर 67.97 डॉलर प्रति औंस रह गई।

महंगाई के आंकड़ों, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी स्थानीय शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली, (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से महंगाई के आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर संबंधी घोषणा और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

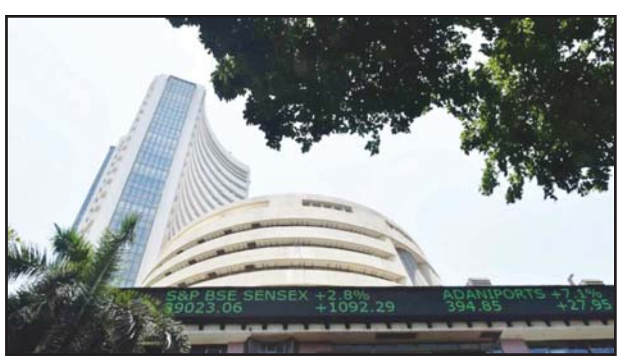

विश्लेषकों का कहना है कि रविवार को संभावित अमेरिका-ईरान समझौते की स्थिति, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और वैश्विक बाजारों के रुझान भी घरेलू शेयर बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे।

रिलायंस ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी।''

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक और उसका निर्णय सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते पर रविवार को हस्ताक्षर किए जाएंगे और इसके बाद रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए तुरंत खोल दिया जाएगा। हालांकि, ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि यदि समझौता अपेक्षित रूप से सफल नहीं हुआ तो नए हमलों की संभावना बनी रहेगी।

ऑनलाइन ट्रेडिंग और संपदा प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर. ने कहा कि बाजार अमेरिका-ईरान समझौते से जुड़े हर घटनाक्रम पर बेहद संवेदनशील बना रहेगा।

इस बीच, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयरों से 62,853 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, 2026 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की निगाह मानसून की प्रगति और महंगाई की स्थिति पर रहेगी।

उन्होंने कहा कि 16-17 जून को होने वाली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर भी निवेशकों की नजर है। बाजार भागीदार फेडरल रिजर्व की टिप्पणियों, महंगाई के दृष्टिकोण, आर्थिक वृद्धि के अनुमान और भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के संकेतों पर करीबी नजर रखेंगे। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,284.61 अंक यानी 1.73 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 256.20 अंक यानी एक प्रतिशत मजबूत हुआ।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह एक अत्यंत सकारात्मक संकेत है।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करेगी : सीईओ

नई दिल्ली, (भाषा)।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरईस्वामी ने कहा है कि जीवन बीमा क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी

तथा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी। अभी जीवन बीमा क्षेत्र में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत है और यह 57 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है। कंपनी की रियल एस्टेट संपत्तियों का मूल्य लगभग 60,000 करोड़ रुपये है।

दुरईस्वामी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि एलआईसी की विकास यात्रा भारत की प्रगति से गहराई से जुड़ी रही है और भविष्य में भी यह संबंध कायम रहेगा। उन्होंने कहा, ÷जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था बढ़ती है, एलआईसी भी बढ़ती है। एलआईसी की वृद्धि देश की आर्थिक प्रगति को भी गति देती है।''

उन्होंने कहा कि 1956 में स्थापना के बाद से एलआईसी ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अब 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में भी अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दुरईस्वामी ने कहा, ÷1956 से 2026 तक की हमारी यात्रा देश के विकास के साथ जुड़ी रही है। हम भविष्य में भी देश की जरूरतों को पूरा करने और उसके विकास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷ उन्होंने कहा कि एलआईसी न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की सबसे बड़ी वित्तीय संस्थाओं में से एक है और इतने बड़े आकार के साथ समाज तथा देश के प्रति विशेष जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है।

भविष्य की रणनीति पर उन्होंने कहा कि बाजार में नए खिलाड़ियों के प्रवेश के बावजूद एलआईसी का लक्ष्य केवल नेतृत्व वाली स्थिति बनाए रखना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धियों से पर्याप्त बढ़त बनाए रखना है। उन्होंने कहा, ÷हमारी आकांक्षा है कि 75वें वर्ष, 100वें वर्ष और उसके बाद भी एलआईसी समृद्ध और मजबूत संस्था बनी रहे तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देती रहे।÷

एलआईसी की स्थापना एक सितंबर, 1956 को जीवन बीमा कारोबार के विस्तार, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। उस समय 245 भारतीय और विदेशी बीमा कंपनियों तथा भविष्य निधि संस्थाओं का राष्ट्रीयकरण कर एलआईसी का गठन किया गया था। केंद्र सरकार ने इसके लिए पांच करोड़ रुपये की शुरुआती पूंजी उपलब्ध कराई थी। डिजिटल क्षेत्र में विस्तार की योजना पर दुरईस्वामी ने कहा कि एलआईसी अपनी बढ़ती प्रौद्योगिकी और नवोन्मेषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) इकाई स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। यह निवेश के माध्यम से या आंतरिक रूप से विकसित मॉडल के जरिये किया जा सकता है।

टाटा ट्रस्ट चालू वित्त वर्ष में परोपकारी खर्च बढ़ाकर 2,000 करोड़ रुपये करेगा

नई दिल्ली, (भाषा)।

टाटा ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सिद्धार्थ शर्मा ने कहा है कि ट्रस्ट चालू वित्त वर्ष में अपने परोपकारी कार्यों पर खर्च बढ़ाकर लगभग 2,000 करोड़ रुपये करेगा।

शर्मा ने उन खबरों पर भी प्रतिक्रिया दी जिनमें 180 अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले टाटा समूह की मूल कंपनी टाटा संस को नियंत्रित करने वाले परोपकारी ट्रस्टों के कथित आंतरिक मतभेदों पर ही ध्यान केंद्रित किया गया है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'लिंक्डइन' पर एक पोस्ट में कहा कि टाटा ट्रस्ट का मूल उद्देश्य परोपकार है और इसी काम के लिए इसका अस्तित्व है।

उन्होंने कहा कि कई बार बिना पर्याप्त सत्यापन और विश्लेषण के कुछ बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, जो आज के समय की वास्तविकता भी है और विडंबना भी।

उन्होंने टाटा ट्रस्ट की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा कि टाटा संस में बहुलांश हिस्सेदारी के कारण प्राप्त लाभांश को वर्ष-दर-वर्ष समाज के वंचित वर्गों के लिए परोपकारी कार्यों में लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था 2014 में लागू कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रावधान से 122 वर्ष पहले से जारी है। शर्मा ने कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान टाटा ट्रस्ट का परोपकारी व्यय लगभग 1,600 करोड़ रुपये रहा और अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में यह बढ़कर लगभग 2,000 करोड़ रुपये हो जाएगा।''

उन्होंने कहा कि इस व्यय से असम, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में कैंसर उपचार सेवाओं को सुलभ और किफायती बनाने में मदद मिली है। शर्मा की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब टाटा ट्रस्ट के अंतर्गत आने वाले विभिन्न परोपकारी संस्थानों के न्यासियों के बीच मतभेद की स्थिति बनी हुई है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

9 सोमवार 15 जून 2026
जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर हट्टा
● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साडरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

किरनापुर में कांग्रेस का 'सृजन संगठन अभियान' सम्मेलन संपन्न..

कार्यकर्ताओं में भरा जोश..

जगप्रेरणा किरनापुर।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान पर चलाए जा रहे 'सृजन संगठन अभियान' के तहत आज किरनापुर में ब्लॉक स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का

एक विशाल सम्मेलन राणा हनुमान सिंह कॉलेज किरनापुर में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और प्रत्येक बूथ तक कांग्रेस की रीति-नीति को पहुंचाना है।

मुख्य अतिथि और वक्ता..

सम्मेलन में क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, जिला पदाधिकारी और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पार्टी के महापुरुष पूर्व परिवहन मंत्री स्वर्गीय श्री लिखीराम कावरे के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई।

सम्मेलन की मुख्य बातें और रणनीति :

बूथ स्तर पर मजबूती – वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं। 'सृजन संगठन अभियान' के तहत हर गांव और हर बूथ पर सक्रिय कमेटियों का गठन किया जाएगा। **जनता की आवाज बनना:** वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे स्थानीय मुद्दों, महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को लेकर जनता के बीच जाएं और मुखर होकर आवाज उठाएं।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत :

इस अवसर पर संगठन में नई जिम्मेदारी पाने वाले ऊर्जावान कार्यकर्ताओं का स्वागत किया गया। साथ ही पंचायत समिति के नव नियुक्त पदाधिकारीयों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए।

वरिष्ठ नेताओं का संदेश..

'कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा है। 'सृजन संगठन अभियान' के माध्यम से हम अपने पुराने और नए कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में पिरोकर संगठन को अभेद्य दीवार की तरह मजबूत बनाएंगे।'

कार्यकर्ताओं का दिखा भारी उत्साह..

इस सम्मेलन में किरनापुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारों के साथ पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और आगामी दिनों में पूरी ऊर्जा के साथ क्षेत्र में जुटने का संकल्प लिया।

आभार प्रदर्शन: कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

भले ही माता पिता पड़े लिखे नहीं हो पर बेटी सुशीला वरकड़े ने सपना किया साकार..

बेटियों को बोझ नहीं समझे, प्रा सुशीला..

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी क्षेत्र की प्रतिभाशाली छात्रा एवं स्वर्ण पदक विजेता बकरामुंडी निवासी सुशीला वरकड़े का चयन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2024 में भूगोल विषय के

सहायक प्राध्यापक पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों और पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। सुशीला वरकड़े ने बताया कि वर्ष 2020-21 में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी शुरू की और **MPPSC** की प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा में भी शामिल हुईं। इसी दौरान वर्ष 2023 में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा स्नातकोत्तर में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि के बाद उनका भूगोल विषय के प्रति और अधिक रुझान बढ़ा। वर्ष 2024 में उन्होंने **GC-NET** एवं **MPSET** परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं तथा अंतत **MPPSC** सहायक प्राध्यापक परीक्षा में सफलता प्राप्त कर भूगोल विषय में सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित हुईं।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, महाविद्यालयीन गुरुजनों, भूगोल विषय के शिक्षक आरआर टिकेश्वर, मित्रों तथा पाथ फाइंडर इंस्टीट्यूशन बालाघाट के संस्थापक मनीष को दिया। उन्होंने कहा कि इन सभी के मार्गदर्शन, सहयोग और आशीर्वाद ने उन्हें कठिन समय में प्रेरणा और संबल प्रदान किया।

सुशीला ने कहा कि उनके माता-पिता भले ही अत्यधिक शिक्षित नहीं हैं, लेकिन उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझते हुए सदैव उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनके माता-पिता का सपना था कि बेटियां आत्मनिर्भर बनें, जीवन में ऊंचाइयों को प्राप्त करें और परिवार व समाज का नाम रोशन करें।

उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को संदेश देते हुए कहा कि शिक्षा ही बदलाव की सबसे बड़ी ताकत है। बेटियों को बड़े सपने देखने चाहिए, कठिन परिश्रम करना चाहिए और असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। संसाधनों की कमी कभी भी शिक्षा में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बेटियों को बोझ न समझें, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के अवसर दें। शिक्षा ही आत्मनिर्भरता, सम्मान और सशक्त समाज का आधार है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में उनकी कोशिश रहेगी कि महाविद्यालय एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए अधिक से अधिक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर सकें।

सड़को पर झूलती पेड़ो की डालिया, जिम्मेदार विभाग गर्मी बीत जाने के बाद भी कुंभकर्णी नींद में

जगप्रेरणा लांजी।

मुख्य मार्गो पनपती झाडिया अनेको बार दुर्घटनाओं का कारण बनते है। समय रहते इन झाडियों बांस की रांझो आदि की सफाई नही की जाती जिसके चलते राहगिरों को

वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अनेको बार विभाग का इस ओर ध्यान भी आकर्षण कराया जाता है कि समय समय पर इन झाडियो की साफ सफाई की जाये लेकिन विभाग भी इस ओर कोई ध्यान नही देता जिसका अंजाम बड़ी दुर्घटनाओं का सामना राहगिरों को करना होता है। ऐसा ही एक मामला लांजी आमगांव मार्ग पर ग्राम दहेगांव साडरा के बीच के नहर के पास दिखाई दे रहा है जहां बांस की रांझ टहनियॉ मुख्य सडको तक आ गई है। लांजी-आमगांव अति व्यस्त मार्ग पर सडक किनारे लगी बाँस की रांझ (बाड़) राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बनती जा रही है। मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया, चार पहिया एवं भारी वाहन गुजरते हैं, लेकिन सडक के समीप निकली बाँस की टहनियां और झुकी हुई रांझ दुर्घटना को आमंत्रण दे रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय तथा बरसात के मौसम में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। सडक से सटे होने के कारण वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार वाहन चालक अचानक बचाव करने के प्रयास में संतुलन खो देते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

ग्रामीणों एवं राहगीरों ने लोक निर्माण विभाग के साथ ही पंचायत से भी मांग कि है की सडक किनारे लगी इस बाँस की रांझ को शीघ्र हटाया जाए या व्यवस्थित किया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले समस्या का समाधान हो सके। लोगों का कहना है कि प्रशासन को जनहित में तत्काल कार्रवाई कर मार्ग को सुरक्षित बनाना चाहिए।

जलवायु-अनुकूल एवं पोषण-संवर्धित धान किस्मों के विकास हेतु मोहगांव कला में किसानों को वितरित किए गए बीज

जगप्रेरणा बालाघाट।

कृषि क्षेत्र में बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप किसानों की आय बढ़ाने तथा अधिक उत्पादन प्राप्त करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत मोहगांवकला, विकासखंड किरनापुर में किसानों के लिए विशेष बीज वितरण

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. उत्तम बिसेन, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विनीता रंगारी, ग्राम पंचायत के सरपंच एवं पंचगण की गरिमामयी उपस्थिति में किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराए गए।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि यह कार्यक्रम आईआरआरआई (इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट) के सहयोग से संचालित 'मध्य प्रदेश के लिए जलवायु-अनुकूल एवं पोषण-संवर्धित उच्च उपज देने वाली किस्मों के विकास' परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। परियोजना का मुख्य उद्देश्य ऐसी धान किस्मों का विकास एवं प्रचार-प्रसार करना है, जो बदलती जलवायु परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन देने के साथ-साथ पोषण की दृष्टि से भी अधिक लाभकारी हों।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को विभिन्न उन्नत एवं अनुसंधान आधारित धान बीजों का वितरण किया गया। विशेषज्ञों ने किसानों को इन किस्मों की विशेषताओं, खेती की वैज्ञानिक तकनीकों, बीज उपचार, पोषक तत्व प्रबंधन तथा फसल संरक्षण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की। किसानों को बताया गया कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखते हुए ऐसी किस्मों का चयन आवश्यक है, जो सूखा, अधिक वर्षा तथा अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

वैज्ञानिक डॉ. उत्तम बिसेन ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक कृषि अनुसंधान का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि ऐसी फसल किस्मों का विकास करना भी है जो पौष्टिकता से भरपूर हों और किसानों को अधिक लाभ प्रदान करें। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप खेती अपनाने का आग्रह किया।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विनीता रंगारी ने किसानों को विभागीय योजनाओं एवं तकनीकी सहायता की जानकारी देते हुए कहा कि कृषि विभाग किसानों तक नवीन तकनीकों और उन्नत बीजों को पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से वितरित बीजों का उपयोग निर्धारित वैज्ञानिक पद्धति से करने की अपील की।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी किसानों को नई तकनीकों को अपनाने तथा कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। किसानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि उन्नत एवं जलवायु-अनुकूल किस्मों के उपयोग से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी और खेती अधिक लाभकारी बन सकेगी।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि जिले में किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से जोडने तथा उन्नत बीजों के माध्यम से उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे। इससे किसानों को बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप खेती करने में सहायता मिलेगी और कृषि क्षेत्र को नई दिशा प्राप्त होगी।

शराब माफियाओं के सामने आबकारी विभाग नतमस्तक

नियम विरुद्ध खुलेआम आहतो में लगती है महफ़िल..

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र के साडरा, कारंजा, लाड़सा शराब दुकानों के ठीक बगल में खुलेआम नियम विरुद्ध आहता चलाये जा रहे है। यहां शराब पीने वाले लोगों के लिए कुर्सियां, टेबल और छाया व पानी की व्यवस्था की गई है,

जो शराब दुकान के लाइसेंस नियमों का सीधा उल्लंघन है। आबकारी विभाग के नियमों के अनुसार दुकान परिसर के बाहर शराब पीने की अनुमति नहीं है, लेकिन साडरा, कारंजा, लाड़सा शराब दुकानों के संचालक इस आहता के जरिए अतिरिक्त कमाई कर रहे हैं। सुरा प्रेमी खुलेआम यहां बैठकर शराब का आनंद ले रहे हैं और दुकान मालिक अतिरिक्त वसूली के साथ-साथ इस अवैध आहता से भी मुनाफा कमा रहे हैं। स्थानीय लोगों और जिम्मेदार नागरिकों ने इस तरह शराब दुकानों के बगल से संचालित अवैध आहतों पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है। आबकारी विभाग की आंखों पर अब भी पट्टी बंधी हुई है या यह भी 'कंपनी का रेट' वाला मामला बन गया है, यह देखना दिलचस्प होगा।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

परसवाड़ा में जमीनी विवाद ने लिया खूनी रूप, सैलून संचालक की मौत; हत्या का मामला दर्ज, दो आरोपी हिरासत में..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

थाना परसवाड़ा क्षेत्र अंतर्गत रविवार सुबह पुराने अस्पताल के सामने एक जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान घायल हुए सैलून संचालक अनिल गोले की उपचार के दौरान मौत हो गई।

घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई, वहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहगांव निवासी अनिल गोले (53 वर्ष), पिता भोलाराम गोले, अपने पुत्र मनीष गोले के साथ परसवाड़ा के पुराने अस्पताल के सामने स्थित सैलून की दुकान का संचालन करते थे। रविवार सुबह करीब 9:30 बजे पिता-पुत्र प्रतिदिन की तरह दुकान खोलकर ग्राहकों की कटिंग कर रहे थे। इसी दौरान दुकान के पास रखी ईंटों को हटाने की बात को लेकर पड़ोसी पंकज ठाकरे और उसके पिता फागलाल ठाकरे, निवासी ग्राम चंदना, से विवाद शुरू हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों और शिकायतकर्ता के अनुसार, देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज होने लगी। आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने दुकान में तोड़फोड़ करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जब मनीष गोले के साथ मारपीट हो रही थी, तब बीच-बचाव करने पहुंचे उनके पिता अनिल गोले भी विवाद में घिर गए।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंकज ठाकरे ने मौके पर पड़ी ईंट का टुकड़ा उठाकर अनिल गोले के चेहरे की ओर फेंका, जिससे उनकी नाक पर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। वहीं फागलाल ठाकरे पर भी ईंट फेंककर पीठ पर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी।

घटना के बाद घायल अनिल गोले अपने पुत्र के साथ रिपोर्ट दर्ज कराने थाना परसवाड़ा जा रहे थे। बताया गया है कि थाना परिसर के सामने पहुंचते ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। पुलिस ने तत्काल उन्हें अपने वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसवाड़ा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार एवं ऑक्सीजन देने के बाद उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ देर बाद उनकी मृत्यु हो गई।

मामले की सूचना मिलते ही एसडीओपी अरविंद शाह एवं थाना प्रभारी जी.एल. अहिरवार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर उसे सील कर दिया है तथा साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है। मृतक के पुत्र मनीष गोले की शिकायत पर थाना परसवाड़ा में अपराध क्रमांक 80/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 296, 115(2), 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस ने घटना में संलिप्त बताए जा रहे दोनों आरोपियों– पंकज ठाकरे (39 वर्ष) और फागलाल ठाकरे (68 वर्ष)– को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज करने की वैधानिक प्रक्रिया जारी है। मृतक के शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया गया। दोपहर करीब 3 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद मोहगांव में शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

समान नागरिक संहिता पर आमजन से मांगे गए सुझाव, 22 जून तक भेज सकेंगे अभिमत

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति द्वारा प्रदेशभर में जनपरामर्श की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इस महत्वपूर्ण विषय पर आमजन, विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों से उनके विचार, सुझाव एवं अभ्यावेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला प्रशासन बालाघाट ने नागरिकों से इस प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। जारी सूचना के अनुसार समान नागरिक संहिता के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक जनमत प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी निवासियों को अपने सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। इसके अंतर्गत शासकीय एवं अशासकीय विभागों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय एवं महाविद्यालयों के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं, सामाजिक एवं सामुदायिक संगठन, गैरशासकीय संगठन (एनजीओ), राजनीतिक दल, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठन सहित अन्य इच्छुक समूह एवं संस्थाएं अपने विचार साझा कर सकते हैं। उच्चस्तरीय समिति द्वारा प्राप्त सुझावों एवं अभिमतों का अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में नीति निर्माण की प्रक्रिया को और अधिक व्यापक एवं सहभागी बनाने का प्रयास किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि नागरिकों की भागीदारी से तैयार होने वाले सुझाव प्रदेश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नागरिक अपने सुझाव एवं अभ्यावेदन समिति की आधिकारिक वेबसाइट ह्वष्.द्व.श्च.द्दश1.द्बठ्ठ के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। सुझाव भेजने की अंतिम तिथि 22 जून 2026 निर्धारित की गई है।

जिला प्रशासन बालाघाट ने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों तथा विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार अवश्य साझा करें और नीति निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बनें। इससे प्रदेश में जनभावनाओं एवं विभिन्न पक्षों को समुचित रूप से समझने में सहायता मिलेगी।

जिला पशु चिकित्सा प्रयोगशाला का औचक निरीक्षण, बंद पड़ी जांच मशीनों को चालू कराने के निर्देश..

उप संचालक डॉ. परते ने मांगी आवश्यक रसायनों एवं रिएजेंट्स की जानकारी

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में पशुपालकों एवं किसानों से प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. घनश्याम परते ने जिला पशु चिकित्सा प्रयोगशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रयोगशाला में उपलब्ध विभिन्न आधुनिक जांच उपकरणों की स्थिति एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया तथा लैब प्रभारी डॉ. दीप्ति कावड़े से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान यह जानकारी सामने आई कि प्रयोगशाला में उपलब्ध लिवर फंक्शन टेस्ट एवं यूरिन एनालिसिस जैसी महत्वपूर्ण जांच मशीनें आवश्यक रिएजेंट्स एवं रसायनों की अनुपलब्धता के कारण वर्तमान में संचालित नहीं हो पा रही हैं। इस पर उप संचालक डॉ. परते ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लैब प्रभारी को आवश्यक सामग्रियों की मांग शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि मशीनों को पुनः संचालित किया जा सके और पशुपालकों को बेहतर जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। डॉ. परते ने कहा कि आधुनिक जांच उपकरणों का नियमित उपयोग पशुओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों के सटीक निदान के लिए अत्यंत आवश्यक है। जांच सुविधाओं के सुदृढ़ होने से पशुओं के उपचार में तेजी आएगी तथा पशुपालकों को समय पर उचित सलाह और चिकित्सा उपलब्ध हो सकेगी। गौरतलब है कि जिला पशु चिकित्सा प्रयोगशाला जिले की एकमात्र ऐसी प्रयोगशाला है, जहां जिलेभर से पशुओं से संबंधित विभिन्न प्रकार के नमूनों की जांच के लिए भेजे जाते हैं।

पशु रोगों के निदान और नियंत्रण में इस प्रयोगशाला की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिले में बड़ी संख्या में पाले जा रहे पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए प्रयोगशाला की सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। निरीक्षण के दौरान प्रयोगशाला में उपलब्ध संसाधनों, उपकरणों एवं परीक्षण व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। उप संचालक ने निर्देश दिए कि उपलब्ध मशीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यक सामग्री की पूर्ति के लिए त्वरित कार्रवाई की जाए। पशुपालकों एवं किसानों को उम्मीद है कि विभागीय पहल के बाद प्रयोगशाला की जांच सुविधाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी, जिससे पशुओं के रोगों की समय पर पहचान और उपचार में सहायता मिलेगी तथा पशुधन के स्वास्थ्य संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 123वीं बटालियन सीआरपीएफ भरवेली में रक्तदान शिविर आयोजित

अधिकारियों एवं जवानों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान, रक्तदान के प्रति जागरूकता का दिया संदेश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 14 जून 2026 को 123वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भरवेली परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य स्वैच्छिक एवं

अवैतनिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में योगदान देना था। कार्यक्रम की शुरुआत वाहिनी के कमांडेंट श्री हजारी लाल द्वारा अधिकारियों एवं जवानों को रक्तदान के महत्व और इसकी आवश्यकता के संबंध में शपथ दिलाकर की गई।

उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों से समाज में स्वैच्छिक और निःशुल्क रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने तथा अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इसके पश्चात वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के सफल संचालन के लिए रेडक्रॉस सोसायटी जिला अस्पताल बालाघाट की टीम ने आवश्यक चिकित्सकीय व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई और रक्त संग्रहण की प्रक्रिया को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया।

रक्तदान के बाद कमांडेंट श्री हजारी लाल ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें फल एवं पेय पदार्थ वितरित किए। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है।

उन्होंने जवानों की सामाजिक जिम्मेदारी एवं सेवा भावना की सराहना की। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर पटेल, सहायक कमांडेंट श्री रामजस यादव, निरीक्षक जय कुमार, लैब इंचार्ज श्री सुरेन्द्र कुमार नागपोरे, नर्सिंग अधिकारी श्रीमती वैशाली डोंगरे तथा उनकी टीम सहित वाहिनी के सभी अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर के माध्यम से 123वीं बटालियन सीआरपीएफ ने समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता और जनसेवा के संकल्प को एक बार फिर प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम ने स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए लोगों को मानव जीवन बचाने के इस महत्त्वपूर्ण अभियान से जुडने का संदेश दिया।

जिले में बढ़ रहा डीएसआर तकनीक का दायरा, सुपर सीडर से किसानों ने शुरू की धान की बुवाई

कम लागत, बेहतर उत्पादन और नरवाई प्रबंधन में कारगर साबित हो रही आधुनिक पद्धति

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को अपनाने की दिशा में किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही विभिन्न विकासखंडों में किसानों ने डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति एवं सुपर सीडर मशीन के माध्यम से धान की बुवाई शुरू कर दी है। यह तकनीक न केवल श्रम और लागत में कमी लाती है, बल्कि जल संरक्षण एवं फसल अवशेष प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि जिले के विभिन्न विकासखंडों में किसानों द्वारा आधुनिक कृषि यंत्रों और वैज्ञानिक खेती पद्धतियों को अपनाते हुए धान की बुवाई की जा रही है। इसी क्रम में कटंगी विकासखंड के ग्राम बोपली के कृषक झक्कुलाल रहांगडाले ने अपने 7 एकड़ खेत में सुपर सीडर मशीन के माध्यम से धान की बुवाई की है।

इसी प्रकार बिरसा विकासखंड के ग्राम डोंगरिया में कृषक भागचंद पटले के खेत में लगभग 3 एकड़ क्षेत्र में डीएसआर पद्धति से सुपर सीडर द्वारा धान की बोनी की गई। वहीं लांजी विकासखंड के ग्राम धनोरा में भी किसानों ने सुपर सीडर मशीन का उपयोग करते हुए डीएसआर तकनीक से धान की बुवाई कर आधुनिक खेती की दिशा में कदम बढ़ाया है।

फसल अवशेषों के बीच की गई धान की बुवाई

बालाघाट विकासखंड के ग्राम सालेटेका के कृषक मेघराज रहांगडाले ने परंपरागत खेती और आधुनिक तकनीक का सफल समन्वय प्रस्तुत किया है। उन्होंने सरसों फसल के अवशेषों को जलाने के बजाय खेत में संरक्षित रखते हुए डीएसआर सुपर सीडर मशीन से धान की बुवाई की। यह पहल पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा नरवाई प्रबंधन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही तकनीक

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार डीएसआर पद्धति में धान की सीधी बुवाई की जाती है, जिससे रोपाई की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे श्रम लागत कम होती है, पानी की बचत होती है और फसल समय पर तैयार होती है। वहीं सुपर सीडर मशीन फसल अवशेषों के बीच सीधे बुवाई करने में सक्षम है, जिससे नरवाई जलाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और भूमि की जैविक गुणवत्ता बनी रहती है।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा किसानों को डीएसआर तकनीक, सुपर सीडर मशीन, बीज उपचार, प्राकृतिक खेती एवं फसल अवशेष प्रबंधन के संबंध में लगातार प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया जा रहा है। आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग से किसानों की उत्पादन लागत कम होगी, उत्पादकता में वृद्धि होगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने की दिशा में आगे बढ़ें। जिले के प्रगतिशील किसानों द्वारा अपनाई जा रही ये पहलें अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन रही हैं।

|| श्री जीणमाता की जय ||
|| जय गुलाब बाबा नमः ||
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126
मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर
पार्ट्स मिलते है एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सिंगल कॉलम फ्लाईओवर के लिए विधायक संजय पुराम का नागरिकों को आश्वासन..

जगप्रेरणा देवरी।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रस्तावित 'कॉम्पैक्ट ब्रिज' के बजाय 'सिंगल कॉलम' (एक ही खंभे वाले) फ्लाईओवर को मंजूरी दी जाए, इस मांग को लेकर देवरी वासियों ने अपना आंदोलन तेज कर

दिया है। इस मांग का लगातार पीछा कर रहे देवरी के नागरिकों की ओर से आज, रविवार (14 जून) को क्षेत्र के विधायक संजय पुराम के पुराडा स्थित निवास स्थान पर जाकर उनसे गुहार लगाई गई। इस अवसर पर विधायक ने नागरिकों की मांग पर संज्ञान लेते हुए, जल्द ही केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर इस मुद्दे को हल करने का ठोस आश्वासन दिया।

क्या है मुख्य मांग?

देवरी शहर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर वर्तमान में एक 'कॉम्पैक्ट ब्रिज' की योजना है। हालांकि, नागरिकों द्वारा यह डर व्यक्त किया जा रहा है कि इस पारंपरिक कॉम्पैक्ट ब्रिज के कारण शहर दो हिस्सों में बंट जाएगा, स्थानीय व्यापारियों को भारी नुकसान होगा और यातायात की समस्या और अधिक जटिल हो जाएगी।

इसके बजाय, आधुनिक तकनीक का उपयोग करके एक सिंगल कॉलम फ्लाईओवर बनाया जाना चाहिए, यह देवरी वासियों की पुरजोर मांग है। **सिंगल कॉलम पुल के कारण:**

सड़क के दोनों ओर पर्याप्त जगह बची रहेगी। स्थानीय बाजार और व्यापारियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। शहर की सुंदरता बढ़ेगी और यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित होगी।

विधायक ने दिया सकारात्मक आश्वासन..

नागरिकों की बात सुनने के बाद विधायक संजय पुराम ने प्रतिनिधिमंडल से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि देवरी शहर के भविष्य के विकास के लिए सिंगल कॉलम फ्लाईओवर कितना फायदेमंद है।

बोले विधायक संजय पुराम..

'देवरी वासियों की यह मांग बेहद जायज और शहर के हित में है। इस संबंध में मैं खुद व्यक्तिगत रूप से ध्यान देकर जल्द ही केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री माननीय नितिन जी गडकरी साहब से मुलाकात करूँगा। देवरी वासियों की इस मांग को गडकरी साहब के दरबार में रखकर इसे मंजूर कराने के लिए मैं प्रतिबद्ध हूँ।'

गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति..

विधायक पुराम के निवास स्थान पर अपनी बात रखने गए इस प्रतिनिधिमंडल में देवरी शहर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख और गणमान्य लोग शामिल थे। इसमें व्यापारिक संगठन के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। जनता की भावनाओं को देखते हुए अब केंद्रीय स्तर पर इस पर क्या निर्णय होता है, इस ओर पूरे देवरी तालुका की निगाहें टिकी हुई हैं।

भाजपा द्वारा बनगांव में भव्य जनकल्याण आरोग्य शिविर का आयोजन..

सैकड़ों नागरिकों ने लिया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श का लाभ..

जगप्रेरणा आमगांव।

भारतीय जनता पार्टी, आमगांव शहर के तत्वावधान में बनगांव स्थित जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय परिसर में भव्य जनकल्याण आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित होकर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। कार्यक्रम में आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय पुराम, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष विजयभाऊ शिवणकर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष येसुलाल उपराडे, जिला महामंत्री नरेंद्र बाजपेयी, पूर्व तालुका अध्यक्ष काशीराम हुकरे, आमगांव शहर मंडल अध्यक्ष मनोज सोमवंशी, पूर्व तालुका अध्यक्ष राजेंद्र पटले, सुगमचंद अग्रवाल, संदीप थानथराटे, कृष्णा चुटे तथा सुषमा भुजाड़े प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आरोग्य शिविर में त्रिशा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. जयंती पटले, डॉ. शिल्पा एवं उनकी संपूर्ण चिकित्सकीय टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में विभिन्न रोगों की जांच, स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता राम चक्रवर्ती, कमलेश चुटे, राजेश मानकर, बाडू भुजाड़े, रोहित गुप्ता, संस्कार असाटी, प्रशांत भूते, विनोद फुंडे, राजू पाउलझगड़े, श्रेयश भुजाड़े, मोहिनी निम्बार्ते सहित समस्त कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम किया।

उपस्थित नागरिकों ने इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना और जनसेवा के माध्यम से स्वस्थ समाज का निर्माण करना रहा।

बलिराज में बीज के लिए भागदौड़, आमगांव में ग्रांट का पैसा नाकाफी साबित हुआ..

20 हजार हेक्टेयर धान के रकबे के लिए सिर्फ2.57 लाख रुपये; पंचायत समिति से 1 लाख रुपये और मांगे..

जगप्रेरणा आमगांव।

खरीफसीजन 2026-27 में बस कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में आमगांव तालुका के धान किसानों के लिए धान के बीज की समस्या गंभीर हो गई है। हालांकि डिस्ट्रिक्ट फंड स्कीम के तहत 50 परसेंट सब्सिडी पर धान के बीज बांटने की प्रक्रिया शुरू की

गई है, लेकिन जो थोड़ी सी रकम मिली थी, वह कुछ ही दिनों में खत्म हो गई, जिससे सैकड़ों किसान फायदे से वंचित रह गए। इस साल आमगांव तालुका में धान की खेती का रकबा 20 हजार 153.84 हेक्टेयर तक है। लेकिन, इतने बड़े रकबे के लिए डिस्ट्रिक्ट फंड स्कीम से सिर्फ2 लाख 57 हजार 620 रुपये ही मिले।

पंचायत समिति को 1 जून से 11 जून 2026 के बीच 410 किसानों से एप्लीकेशन मिले। इनमें से 298 किसानों को परमिट बांटे जा चुके हैं और 2 लाख 57 हजार 421 रुपये खर्च हो चुके हैं। इस वजह से, सब्सिडी के सिर्फ199 रुपये बचे हैं और 112 किसान अभी भी इंतजार कर रहे हैं।

इस स्कीम के मुताबिक, छोटे, सीमांत और आम किसानों को ज्यादा से ज्यादा दो हेक्टेयर एरिया के लिए 1,400 रुपये प्रति हेक्टेयर या खरीद कीमत का 50 परसेंट सब्सिडी दी जाती है। यह फायदा 50 **kg** बीज प्रति हेक्टेयर की लिमिट में मंजूर किया जाता है। सर्टिफाइड चावल के बीज सिर्फमहाबीज, **NSC**,कृषि विज्ञान केंद्र या ऑफिशियली लाइसेंस्ड एग्रीकल्चर सेंटर से ही खरीदने की शर्त है। साथ ही, बेनिफिशियरी में दिव्यांग लोगों के लिए 3 परसेंट रिजर्वेशन का भी प्रोविजन किया गया है। इस बीच, तालुका एग्रीकल्चर ऑफिसर ऑफिस, आमगांव ने साफ किया है कि खरीफ सीजन 2026-27 के लिए धान की फसल के बीज अभी परमिट पर अवेलेबल नहीं हैं। इस वजह से कई किसान उम्मीद के मुताबिक फ़ायदे से वंचित रह जाते हैं। हालांकि, किसानों के लिए मुफ़्त अरहर मिनीकिट और सर्टिफाइड अरहर के बीज उपलब्ध हैं और इसके लिए महा **DBT** पोर्टल पर ऑनलाइन अप्लाई करने की अपील की गई है।

इस बारे में पंचायत समिति एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट एक्सटेंशन ऑफिसर वी. एस. राठौड़ और आर. पी. रामटेके ने कहा कि उपलब्ध फंड का बंटवारा पूरा हो गया है और बाकी किसानों को फ़ायदा पहुंचाने के लिए ज़िला प्रशासन को 1 लाख रुपये के अतिरिक्त फंड का प्रस्ताव भेजा गया है। जैसे ही फंड मंज़ूर होंगे, तुरंत आगे का बंटवारा किया जाएगा। खरीफ़ सीज़न से ठीक पहले इस स्थिति के कारण किसानों में चिंता का माहौल है, और ज़िला प्रशासन से तुरंत अतिरिक्त फंड मंज़ूर करने और बलिराज को राहत देने की मांग अब ज़ोर पकड़ रही है

बोले एन बी गट्टूवार..

'ज़िला फंड के तहत मिली पूरी रकम ट्रांसपेरेंट तरीके से बांटी गई है। एडमिनिस्ट्रेशन को पता है कि बढ़ती डिमांड की वजह से 112 किसान अभी भी इंतज़ार कर रहे हैं। हमने ज़िला लेवल पर 1 लाख रुपये के एक्स्ट्रा फंड की डिमांड दर्ज कराई है, और जैसे ही मंज़ूरी मिलेगी, बाकी किसानों को तुरंत परमिट दे दिए जाएंगे।'

बोले राहुल साबले..

'किसानों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि खरीप सीजन 2026-27 के लिए धान (चावल) फसल के बीज बांटने का काम अभी परमिट पर नहीं हो रहा है। हालांकि, फ्री अरहर मिनीकिट और सर्टिफाइड अरहर के बीज मिल रहे हैं और इसके लिए महा **DBT** पोर्टल पर ऑनलाइन अप्लाई करना ज़रूरी है। किसानों को समय पर अप्लाई करना चाहिए और सरकारी स्कीम का फ़ायदा उठाना चाहिए।'

बोले खुमेश कटरे..

'खरीप का मौसम शुरू हो गया है और धान के बीज की तुरंत ज़रूरत है। सरकार की 50 परसेंट सब्सिडी स्कीम से पैसे की राहत मिलती है। लेकिन, पैसे कम होने की वजह से कई योग्य किसान फायदे से वंचित रह गए हैं। सरकार को तुरंत और पैसे मंज़ूर करने चाहिए और बाकी किसानों को भी स्कीम का फ़ायदा देना चाहिए।'

सालेकसा तहसील में जिलाधिकारी का दौरा, विभिन्न योजनाओं का किया निरीक्षण..

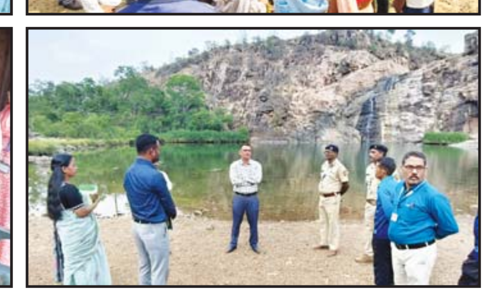

जगप्रेरणा सालेकसा।

जिले के जिलाधिकारी श्री मंगेश गोंदावले ने शनिवार को सालेकसा तहसील के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर वहां संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों से संवाद किया।

मौजा रोंढा में उन्होंने एचडीएफसी बैंक और सीडब्ल्यूएस संस्था के संयुक्त तत्वावधान में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान महिला बचत समूहों को प्रदान किए गए टूलकिट, डिजिटल स्कूल, सोलर लिफ्ट सिंचाई प्रणाली, कुक्कुट पालन तथा मत्स्य व्यवसाय से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने महिलाओं से बातचीत कर उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया।

इसके बाद जिलाधिकारी ने सालेकसा तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया और परिसर में वृक्षारोपण किया। उन्होंने हाजराफॉल वन पर्यटन स्थल का भी दौरा किया तथा पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए। मौजा जमाकुडो में माविम के अंतर्गत संचालित योजनाओं का निरीक्षण करते हुए उन्होंने बांस से विभिन्न वस्तुएं तैयार करने वाली महिलाओं से चर्चा की। उनके उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

मौजा गिरोला में 'डार्क केटल जंगल कप 2026-27' के अंतर्गत संचालित रानमेवा परियोजना का निरीक्षण किया गया। साथ ही पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

शाम के समय उन्होंने भजेपार स्थित स्मार्ट ग्राम पंचायत का दौरा कर वहां चलाए जा रहे विभिन्न नवाचारों और गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत के कार्यों की सराहना की तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान तहसीलदार श्री नरसय्या कोंडागुर्ले, नायब तहसीलदार श्रीमती अमृता सुतार तथा राजस्व सहायक श्री आशीष रामटेके उपस्थित रहे।

पानी जाने के लिये पाईप लगाने की बात पर हुई मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के अर्जुनी मोर पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 12/ 6/ 2026 के दोपहर 4 बजे के दरम्यान ग्राम बोरटोला मे फर्यादी दिव्या विनोद गोंधळे उम्र 20 वर्ष निवासी बोरटोला के पिताजी स्लैब का पानी निचे जाने के लिये पाईप लगा रहे थे। तभी आरोपी ने बाहर आकर चिल्लाया मेरी जगह मे पानी क्यो लगा रहे हो, फर्यादी के पिता ने कहा मै अपनी जगह मे लगा रहा हु तो आरोपी ने गाली गलौच कर मारपीट की फर्यादी झगडा छुडाने गई तो दोनों आरोपीयो ने उसे भी इटे के टुकडे से मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत पर पोस्टे अर्जुनी मोर मे अपराध क्रमांक 256/2026 धारा 118,1,352,3,5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा ओमप्रकाश हुकरे 60 पोस्टे अर्जुनी मोर कर रहे है।

घर के बाजु मे इटे रखने की बात पर हुआ विवाद मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के अर्जुनी मोर पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 12/ 6/ 2026 के दोपहर 4 बजे के दरम्यान बोरटोला मे फर्यादी सुभाष सदाशिव गोंधळे उम्र 48 वर्ष निवासी बोरटोला आरोपी से कहा तुने इटे यहा रखी है वो हटा ले मुझे वॉल कंम्पाऊंड करना है, इस बात पर आरोपी ने कहा तेरी कहा की जगह है बोलकर गालीगलौच की और लोहे की साबर से सर पर मारकर जख्मी किया बेटी बिचबचाव करने आयी तो उसे भी मारपीट करने से फर्यादी के दिये बयान पर आरोपी के खिलाफपोस्टे अर्जुनी मोर मे अपराध क्रमांक 255/2026 धारा 118,1,352, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा ओमप्रकाश हुकरे 60 पोस्टे अर्जुनी मोर कर रहे है।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

रेती चोर टिप्पर सहीत गिरफ्तार मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत रेती चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 13/6/2026 के 5 बजे के दरम्यान ननसरी मे फर्यादी पोशी गौरव केवलराम बुराडे 293 पोस्टे आमगांव अपनी ड्युटी कर रहे थे। जहां आरोपी ने अपने पिले रंग के टिप्पर मे 3 ब्रास रेती ले जा रहे थे। फर्यादी ने कागजपत्र पूछा तो आरोपी के पास कोई भी पास परमीशन नही थी। रेती चोरी करते समय पकड़ाये जाने से टिप्पर किमत 16 लाख और रेती 12 हजार कुल 16 लाख 12 हजार रूपये का माल जप्त कर दिये शिकायत पर पोस्टे आमगाव मे अपराध क्रमांक 422/2026 धारा 303,2,305, ई,3,5, भान्यास 2026 बि एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा कुंभरे 1553 पोस्टे आमगाव कर रहे है।

खड़े ट्रक से धान के बोरे चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 3/6/2026 के रात ग्राम तुमखेडा मे फर्यादी प्रकाश रामदेव जयसवाल उम्र 61 वर्ष निवासी मनोहर चौक की राईस मिल होकर घटना के समय ट्रक मे रखा धान बिखरा हुवा था। उन्होंने ट्रक चालक से पूछा तो उसने बताया की धान चोरी किया गया है, फर्यादी ने दोनो ट्रक की जॉच की तो आरोपीयो ने 57 कट्टे कुल माल 18 क्विंटल 10 किलो किमत 36 हजार 200 रुपये का माल चोरी करने से दिये शिकायत पर पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 366/2026 धारा 306,3,5, भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा गितेन्द्र डिबे 292 पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET) ■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI) ■ (IUI) आय.यू.आय. ■ अधिक उम्र में मातृत्व ■ ओव्हम डोनेशन द्वारा ■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार ■ शुक्राणु बैंक सुविधा ■ सोनोग्राफी ■ हार्मोस की जांच ■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज ■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस — अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस — प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● तुमसर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

यमुना नदी के जल में गोपियों ने कराया अपने लड्डु गोपाल को नौका विहार..

गोंदिया में श्रीकृष्ण गोरक्षण सभा द्वारा संचालित गौशाला में किया गया कृष्णभक्ति को अनूठा कार्यक्रम..

बड़ी संख्या में सज धजकर गोपियां बनकर पहुंची महिलाएं, कृष्णभक्ति में डुबी नजर आई..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शहर में सौ वर्ष पुरानी श्रीकृष्ण गोरक्षण सभा द्वारा संचालित गौशाला में आज 14 जून को भव्य समारोह के साथ भगवान श्रीकृष्ण के बाल रुप लड्डु गोपाल की प्रतिमाओं के लिये नौका विहार का आयोजन किया गया। नौका विहार के लिये मां यमुना नदी का जल लाकर

उस जल से गौशाला में भव्य कृत्रिम कुंड बनाया गया, जिसमें आकर्षक नौकाओं को सजा कर तैयार कर उसमें अपने प्रिय भगवान लड्डु गोपाल को लेकर स्वयं भी गोपियों की तरह सज धज कर महिलाएं पहुंची, और कृष्ण भजनों की धुन पर लड्डु गोपाल को नौका विहार कराया गया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा के अध्यक्ष शंकरलाल अग्रवाल, सचिव राजेश व्यास, राम अग्रवाल स्वयं भी कुंड में भगवान लड्डु गोपाल को नौका विहार करवाने के लिये उपस्थित रहे, तो वहीं गौपुरी प्रमुख श्री सीताराम अग्रवाल एवं ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष रमाकांत अग्रवाल, सह सचिव अजीत सिंह ने भी विशेष योगदान दिया। इस नौका विहार के दौरान अनेक बालिकाएं भी नौका विहार में कृष्ण भक्ति में लीन होकर सेवाएं देती नजर आई। नौकाविहार का आयोजन इस खूबसूरती से किया गया, जैसे मानो यह आयोजन मथुरा वृंदावन में किया जा रहा है, और संपूर्ण वातावरण गौशाला में गौ माताओं की मधुर ध्वनि एवं आवाज के साथ ही कृष्णभक्ति में सराबोर नजर आया। नौकाविहार के दौरान कृष्ण भजनों में कृष्ण भक्ति में लीन होकर महिलाओं ने नृत्य भी किया, और भजन भी गए, तथा इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल हुई। कार्यक्रम में 100 फीट लंबी चुनरी भी मां यमुना जी को समर्पित की गई। इसमें श्रीकृष्ण गौरक्षण महिला समिति एवं राधा कृपा ब्रजरस मंडल द्वारा यह आयोजन संचालित किया गया।

प्रतिवर्ष किया जायेगा यह आयोजन.. - बोले शंकरलाल अग्रवाल

श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा के अध्यक्ष शंकरलाल अग्रवाल ने जगप्रेरणा को बताया कि कृष्ण भक्ति का यह अनूठा आयोजन प्रत्येक वर्ष श्रीकृष्ण गौरक्षण गौशाला में आयोजित किया जायेगा। यह प्रथम वर्ष था, जिसे कि मथुरा वृंदावन के पुजारियों के सानिध्य में विधिवत यमुना नदी का जल लाकर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सपरिवार शामिल होकर गौ माताओं की पूजा अर्चना भी की, तो वहीं गौ माताओं का चारा एवं गुड़ प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्ष में बदला देश का चेहरा, विकास, सुशासन और जनकल्याण हुआ साबित.. - डॉ. परिणय फुके

जगप्रेरणा गोंदिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में (2014 से 2026 तक) का सफर भारत के इतिहास में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ प्रगति का एक स्वर्णिम अध्याय बन चुका है। सरकार की दूरदर्शी नीतियों ने न केवल देश का इंफ्रास्ट्रक्चर बदला है, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का

सीधा लाभ पहुँचाकर सुशासन की एक नई मिसाल पेश की है। यह बात आज गोंदिया के राईस मिलर्स एसोसिएशन के सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक डॉ. परिणय फुके ने कही। श्री फुके के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रमुख रुप से विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक विजय रहांगडाले, पूर्व विधायक केशवराव मानकर, भाजपा जिलाअध्यक्ष सिताताई रहांगडाले, मुनेश रहांगडाले, वीरेन्द्र बाळभाऊ अंजनकर, नगर परिषद उपाध्यक्ष संतोष पटले, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष पंकज राहंगडाले, कोषाध्यक्ष दिनेश दादरीवाल, सुनिल केलनका, छत्रपाल तुरकर भी उपस्थित थे।

बोले विधायक डॉ. परिणय फुके..

विधायक डॉ. परिणय फुके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' के तहत ग्रामीण भारत की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। देश के गांवों में करीब 8 लाख किलोमीटर पक्की सड़कों का निर्माण हुआ है, जिसमें से लगभग 4 लाख किलोमीटर सड़कें पिछले 12 वर्षों में बनी हैं। इससे किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुँचाने में आसानी हुई है। इसी प्रकार साल 2014 में देश के राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 91,287 किमी थी, जो आज बढ़कर 1.46 लाख किमी से अधिक हो गई है। चेनाब पुल, नया पंबन पुल और अटल टनल जैसे ऐतिहासिक प्रोजेक्ट्स ने देश की प्रगति को नई गति दी है। भारतीय रेलवे के ब्रॉडगेज नेटवर्क का शत-प्रतिशत (99.6 प्रतिशत से अधिक) विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत 1,337 से अधिक स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। देश में वंदे भारत एक्सप्रेस और रैपिड रेल जैसी आधुनिक ट्रेनें परिवहन का नया चेहरा बन चुकी हैं। 'उड़ान' योजना के तहत हवाई चप्पल पहनने वाले नागरिक को भी हवाई यात्रा का अवसर मिला है। पिछले 12 सालों में 90 से अधिक नए हवाई अड्डे बनाए गए हैं, जिससे कुल हवाई अड्डों की संख्या 164 पार कर गई है।

यह भी बोले विधायक फुके..

विधायक परिणय फुके ने आगे कहा कि भारत विश्व स्तर पर एक मजबूत 'संकटमोचक' और 'विश्व-मित्र' के रूप में उभरा है। कोरोना काल में भारत ने 'वैक्सीन मैत्री' के तहत दुनिया के 99 देशों को दवाइयां और वैक्सीन भेजकर लाखों लोगों की जान बचाई। भारत की अध्यक्षता में जी-20 (जी 20) का सफल आयोजन हुआ, जिसमें 39 नए दूतावासों का उद्घाटन और रिकॉर्ड विदेशी निवेश देश में आया। भारत के प्रयासों से ही आज दुनिया के 177 देश एक साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं। श्री फुके ने आगे कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय सर्वे 'मॉर्निंग कंसल्ट' के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 प्रतिशत से अधिक अप्रूवल रेटिंग के साथ दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। लोकतांत्रिक इतिहास में यह पहली बार है जब किसी नेता को देश और दुनिया से इतना अटूट विश्वास और समर्थन मिल रहा है।

बोले विधायक विनोद अग्रवाल..

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस के माध्यम से बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर कर करीब 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। इससे बिचौलियों और फर्जी लाभार्थियों का खात्मा हुआ है, जिससे देश के खजाने की लाखों करोड़ रुपये की बचत हुई है। आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के मोर्चे पर सरकार ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयों ने देश की सीमाओं को सुरक्षित और अभेद्य बनाया है। 'जन धन योजना' के तहत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिनमें 32 करोड़ से अधिक खाते महिलाओं के हैं। इसके अलावा, कोविड-19 महामारी के कठिन समय से लेकर अब तक 81 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त राशन योजना का लाभ दिया जा रहा है। 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत 60 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं, जो गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्रदान करते हैं। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत 54 करोड़ से अधिक बच्चों का मुफ्त टीकाकरण किया गया है।

यह भी बोले विनोद अग्रवाल..

विधायक विनोद अग्रवाल ने आगे कहा कि 'पीएम किसान सम्मान निधि' के तहत किसानों के खातों में सीधे 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक ट्रांसफर किए जा चुके हैं। वहीं, 'जल जीवन मिशन' के तहत 16 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से स्वच्छ पानी पहुँचाया जा रहा है। देश की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय अस्मिता को नया गौरव मिला है। गुलामी के प्रतीकों को हटाकर राजपथ का नाम 'कर्तव्य पथ' किया गया, इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई और संसद भवन में पवित्र 'सेंगोल' की स्थापना की गई। अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया गया है। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक आज हर भारतीय के मन में देशभक्ति की भावना को जगाए हुए है।

प्रकृति से खिलवाड़ की सजा भोग रहे हम, आओ अधिक से अधिक पेड़ लगाएं.. – छैलबिहारी अग्रवाल

गांव गांव में सरकार से तालाबों के निर्माण की भी की अपील..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया के वरिष्ठ समाजसेवी छैलबिहारी अग्रवाल ने एक बार फिर भीषण गर्मी का प्रकोप झेल रहे आम नागरिकों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की है। छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक वर्ष गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है। इस वर्ष तो 14 जून तक गोंदिया में बारिश नहीं हुई। जो स्थिति हो रही है, वह स्पष्ट है कि हम प्रकृति से खिलवाड़ की सजा भोग रहे हैं। आधुनिकता की होड़ में प्राकृतिक नियमों से खिलवाड़ करते हुए कांक्रीट के महल खड़े किये जा रहे हैं, लेकिन उन महलों में भी वृक्षारोपण नहीं किये जा रहे हैं। जबकि इसी प्रकार से अमीर, गरीब सभी ने वृक्षारोपण को नजर अंदाज किया है। शासन स्तर पर भी वृक्षारोपण की उपेक्षा कर इसे भ्रष्टाचार का हथियार बनाया गया है, इस स्थिति में अभी भी संभलने की जरुरत है। छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिये लोग आए आएं, और अपनी चिंता स्वयं करने का प्रयास करें।छैलबिहारी अग्रवाल ने महाराष्ट्र सरकार से अपील की है कि प्रत्येक ग्राम और शहर में एक बड़ा तालाब, उस तालाब के आस पास वृक्षारोपण, गार्डन, नौका विहार, मछली पालन आदि का प्रयोजन किया जाना चाहिये, इससे ग्राम का जलस्तर बढ़ेगा, तथा गांव में पर्यावरण का संरक्षण भी होगा।

SONO VIEW
SONOGRAPHY
X-RAY
CT SCAN
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन
तुरकर क्लिनिक SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN
सिव्हिल लाईन, गोंदिया
फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com SONOGRAPHY C.T. SCAN

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक – स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक – आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल – jagprernaw@gmail.com